04 - भारतीय शिक्षा का और कितना अवमूल्यन?

05 - नशे का फैलता मकड़जाल, समाज की तबाही और हमारी चुप्पी

A Daily News Magazine
इंदौर
गुरुवार, 26 जून, 2025

06 - जिले में अब तक 93.2 प्रतिशत उपभोक्ताओं ने ही कराई ई-केवाईसी करीब...

07 - ब्लड सेपरेशन यूनिट रीवा में स्वास्थ्य सेवाओं को करेगी सुदृढ़...

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित
वर्ष 10 अंक 257, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

मोहब्बतों का सलीक़ा
सिखा दिया मैंने
तेरे बग़ैर भी जी कर
दिखा दिया मैंने
बिछड़ना –मिलना तो
क़िस्मत की बात है लेकिन
दुआएं दे तुझे शायर
बना दिया मैंने
जो तेरी याद दिलाता था
चहचहाता था
मुंडेर से वो परिंदा
उड़ा दिया मैंने
जहाँ सजा के मैं रखती थी
तेरी तस्वीरें
अब उस मकान में ताला
लगा दिया मैंने
ये मेरे शेर नहीं मेरे
ज़ख़्म हैं 'अंजुम'
ग़ज़ल के नाम पे क्या–क्या
सुना दिया मैंने।

– अंजुम रहबर

प्रसंगवश

भारतीय राजनीति में परिवारवाद और जमाई राज

शैलेश

राजनीति में परिवार वाद पर विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने हाल में एक तीखा व्यंग किया। उन्होंने कहा कि अब एक जमाई आयोग बनाया जाना चाहिए। तेजस्वी बिहार के कुछ नेताओं के जमाई यानी दामादों को कई आयोगों में महत्वपूर्ण पद दिए जाने पर टिपण्णी कर रहे थे। लेकिन जेडीयू सरकार के मंत्री अशोक चौधरी ने राजनीति में लालू / तेजस्वी के परिवारवाद को उछाल कर उन्हें भी कटघरे में खड़ा कर दिया। तेजस्वी के परिवार के तीन लोग संसद और विधानसभा में हैं। देश की ज्यादातर क्षेत्रीय पार्टियों में परिवारवाद राजनीति के लिए चुनौती बनती जा रही है। बिहार कोई अपवाद नहीं है।

उत्तर प्रदेश में पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, तमिलनाडु में मुख्यमंत्री स्टालिन महाराष्ट्र में शरद पवार और ठाकरे परिवार के साथ-साथ तथा जम्मू कश्मीर में अब्दुल्ला परिवार सहित अनेक राज्यों में प्रमुख राजनीतिक पार्टियों का नियंत्रण परिवारों के पास है। और तो और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती तथा बंगाल में ममता बनर्जी, जिन्होंने विवाह नहीं किया, वो भी परिवारवाद से बच नहीं पायीं। केंद्र में कांग्रेस पर यह आरोप लगता रहा है लेकिन बीजेपी भी अब परिवारवाद से अछूती नहीं रही।एक नया ट्रेंड ये है कि एक परिवार के कई सदस्य अलग-अलग पार्टियों में घुस कर विधानसभा और संसद तक पहुच जाते हैं।

बिहार सरकार ने जेडीयू के राज्यसभा सांसद संजय कुमार झा की बेटी सत्या और आद्या झा को सुप्रीम कोर्ट में काउंसलर बना दिया। बिहार सरकार में जेडी यू कोटा से मंत्री अशोक चौधरी के दामाद सायन कुणाल को बिहार राज्य धार्मिक विश्वास परिषद का सदस्य बनाया गया। सायन बहुचर्चित आईपीएस किशोर कुणाल के बेटे हैं। सायन की पत्नी शांभवी चौधरी, जीतन राम मांझी की पार्टी 'हम' से संसद हैं। सायन को आरएसएस कोटा से यह पद दिया गया है। केंद्र में मंत्री जीतन राम मांझी के दामाद देवेंद्र कुमार मांझी को बिहार अनुसूचित जाति आयोग का उपाध्यक्ष बनाया गया। केंद्र में पूर्व मंत्री स्वर्गीय राम विलास पासवान के दामाद और वर्तमान केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के बहनोई मृणाल पासवान को बिहार अनुसूचित जाति आयोग का अध्यक्ष का पद दिया गया। मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार की पत्नी रश्मि रेखा वर्मा को बिहार राज्य महिला आयोग की सदस्यता मिली। तेजस्वी ने इन नियुक्तियों पर चुटकी लेते हुए कहा कि सरकार को 'जमाई,जीजा,मेहरारू (पत्नी के लिए स्थानीय भाषा में प्रयोग किया जाने वाला शब्द)' आयोग बना देना चाहिए ताकि और नेताओं के रिश्तेदारों को एडजस्ट किया जा सके।

लेकिन अशोक चौधरी ने राजनीति में लालू / तेजस्वी के परिवारवाद का सवाल उठा दिया। तेजस्वी और उनके भाई तेज प्रताप विधायक हैं। बहन मीसा भारती राज्यसभा सदस्य हैं। एक और बहन रोहिणी आचार्य लोकसभा चुनाव लड़ चुकी हैं। लालू यादव के साले भी राजनीति में हैं। लालू और राबड़ी देवी तो मुख्यमंत्री रह ही चुके हैं। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अब तक अपवाद हैं। उनके बेटे निशांत कुमार राजनीति में नहीं हैं, लेकिन जे डी यू के कई नेता निशांत को राजनीति में लाने की वकालत कर रहे हैं।

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव ने अपने जीवन काल में ही बेटे अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री (2012) बना दिया। समाजवादी पार्टी पर मुलायम परिवार का पूर्ण नियंत्रण है।

ग़ैर हिंदी भाषी राज्यों में भी इसी तरह की प्रवृत्ति दिखायी देती है। तमिलनाडु में पूर्व मुख्यमंत्री करुणानिधि के बेटे स्टालिन के हाथों में अब डीएमके पार्टी की कमान है। वे खुद राज्य के मुख्यमंत्री हैं और कनिमुझी सहित उनके परिवार के कई सदस्य पार्टी और विधानसभा तथा संसद की शोभा बढ़ाते रहे हैं। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू , पूर्व मुख्यमंत्री एनटी रामाराव के दामाद हैं। उनकी साली राज्य में कांग्रेस का नेतृत्व कर रही हैं। आंध्र के पूर्व मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी , पूर्व कांग्रेसी मुख्यमंत्री वाई एस राज शेखर रेड्डी के बेटे थे।

जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुला के पिता फ़ारूख़ अब्दुला और दादा शेख़ अब्दुला भी मुख्यमंत्री रह चुके हैं। राज्य की मुख्य विपक्षी नेता और पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ़्ती के पिता मुफ़्ती मोहम्मद सईद भी मुख्यमंत्री रह चुके हैं। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अपने भाई को नेतृत्व संभालने के लिए तैयार कर रही हैं। इसी तरह उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती को अपने भतीजे पर विश्वास है।

बीजेपी कांग्रेस पर नेहरू गांधी परिवार की पार्टी होने का आरोप लगाती रही है। लेकिन बीजेपी भी परिवारवाद से दूर नहीं रह पायी है। राजस्थान में बीजेपी की मुख्यमंत्री रह चुकी वसुंधरा राजे सिंधिया के परिवार के सदस्य ज्योतिरादित्य सिंधिया अब केंद्र में मंत्री हैं। इसी परिवार के माधव राव सिंधिया कांग्रेस के और विजया राजे सिंधिया बीजेपी की बड़ी नेताओं में शामिल हैं। कांग्रेस और बीजेपी दोनों पार्टियों में परिवारों के दबदबे की सूची बहुत लंबी है।

एक विश्लेषण के अनुसार 2019 में चुने गए सांसदों में से करीब 30 प्रतिशत पुराने नेताओं के परिवार से थे। इसी तरह 2014 में वंश परंपरा से आने वाले सांसदों में करीब 44 प्रतिशत बीजेपी से चुने गए थे। ज्यादातर पार्टियां किसी एक नेता के प्रभाव पर चलती हैं। पार्टियों को स्थापित करने वाले नेताओं के बाद उनके परिवार को आसानी से नेतृत्व मिल जाता है। कांग्रेस पर अगर राहुल गांधी का दबदबा है तो बीजेपी इस समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छाया से बाहर जाने की स्थिति में नहीं है।

ज्यादातर क्षेत्रीय पार्टियों का उदय उस क्षेत्र की प्रमुख वंचित जाति के नेताओं के सामाजिक- आर्थिक आंदोलन से हुआ। उन्हीं नेताओं का परिवार, जाति और जाति समूह के विकास का पर्याय बन गया। बिहार और उत्तर प्रदेश में पिछड़ी जाति यादव की राजनीतिक और आर्थिक महत्वाकांक्षा ने लालू यादव और मुलायम सिंह यादव को पिछड़ों तथा अल्पसंख्यकों का नेता बना दिया। तमिलनाडु के द्रविड़ आंदोलन से करुणानिधि स्थापित हुए। उनके बाद उनके बेटे स्टालिन को आसानी से डीएमके पार्टी का नेतृत्व मिल गया।

उड़ीसा में बीजू पटनायक के बाद उनके बेटे नवीन पटनायक 20 साल तक सत्ता में रहे। एक शोध के मुताबिक राजनीति में परिवार वाद बढ़ने का एक बड़ा कारण समाज में व्याप्त सामंती सोच और जातिवाद है। सदियों से दबी कुचली जातियों का कोई नेता जब राजनीति में दबदबा बना लेता है तो उन जातियों के लोग उसके परिवार को अपना नेता मान लेते हैं। लेकिन सबसे ऊपर है अशिक्षा। अशिक्षित लोग जातियों में ही खुद को सुरक्षित महसूस करते हैं।

(सत्य हिंदी डॉट कॉम पर प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

भारतीय एस्ट्रोनॉट शुभांशु ने

अंतरिक्ष के लिए उड़ान भर रचा इतिहास

- शुभांशु बोले- व्हाट ए राइड, कहा- कंधे का तिरंगा देश से जोड़े हुए है
- लॉन्चिंग सफल होने पर भावुक हुए माता-पिता, बचपन से लगनशील थे, लगातार कोशिशों का परिणाम मिला
- राष्ट्रपति-पीएम मोदी ने दी बधाई

फ्लोरिडा (एजेंसी)। भारतीय एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला एक्सियम मिशन 4 के तहत 25 जून को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन के लिए रवाना हुए। उनका ये मिशन पहले 6 बार तकनीकी दिक्कतों के कारण टल चुका था। उनके साथ तीन अन्य एस्ट्रोनॉट भी स्पेस स्टेशन के लिए रवाना हुए।

अंतरिक्ष में पहुंचने के बाद शुभांशु ने कहा- व्हाट ए राइड। मेरे कंधे पर लगा तिरंगा बताता है कि मैं आप सभी के साथ हूं। वहीं लॉन्चिंग सफल होने पर शुभांशु के माता-पिता आशा शुक्ला और शंभु दयाल शुक्ला भावुक हो गए। उन्होंने बेटे की सफलता पर ताली बजाकर खुशी जताई।

मिशन भारतीय समयानुसार दोपहर करीब 12:00 बजे फ्लोरिडा में नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च किया गया। स्पेसएक्स के फाल्कन-9 रॉकेट से जुड़े ड्रैगन कैप्सूल में सभी एस्ट्रोनॉट ने उड़ान भरी। ये स्पेसक्राफ्ट करीब 28.5 घंटे के बाद 26 जून को शाम 04:30 बजे ISS से जुड़ेगा।

41 साल बाद कोई भारतीय एस्ट्रोनॉट अंतरिक्ष में गया- अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा और भारतीय एजेंसी इसरो के बीच हुए एग्रीमेंट के तहत भारतीय वायु सेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को इस मिशन के लिए चुना गया है। शुभांशु इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर जाने वाले पहले और स्पेस में जाने वाले दूसरे भारतीय हैं। इससे 41 साल पहले राकेश शर्मा ने 1984 में सोवियत यूनियन के स्पेसक्राफ्ट से अंतरिक्ष यात्रा की थी।

शुभांशु का ये अनुभव भारत के गगनयान मिशन में काम आएगा। ये भारत का पहला मानव अंतरिक्ष मिशन है, जिसका उद्देश्य भारतीय गगनयात्रियों को पृथ्वी की निचली कक्षा में भेजना और सुरक्षित रूप से वापस लाना है। इसके 2027 में लॉन्च होने की संभावना है।

पीएम मोदी बोले-

1.4 बिलियन भारतीयों की इच्छाएं, उम्मीदें और आकांक्षाएं लेकर गए– हम भारत, हंगरी, पोलैंड और अमेरिका के अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर अंतरिक्ष मिशन के सफल प्रक्षेपण का स्वागत करते हैं। भारतीय अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर जाने वाले पहले भारतीय बनने की राह पर हैं। वे अपने साथ 1.4 बिलियन भारतीयों की इच्छाएं, उम्मीदें और आकांक्षाएं लेकर गए हैं। उन्हें और अन्य अंतरिक्ष यात्रियों को सफलता की शुभकामनाएं! राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने एक्सिओम–4 मिशन पर कहा कि शुभांशु शुक्ला ने नया मील का पत्थर स्थापित किया, पूरा देश एक भारतीय की अंतरिक्ष यात्रा से उत्साहित और गौरवान्वित है।

सीएम योगी ने दी शुभकामनाएं– शुभांशु शुक्ला की अंतरिक्ष यात्रा को लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह भारत के लिए गर्व का क्षण है। **यह एक बड़ी छलांग है:** केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा, यह एक बड़ी छलांग है।

सीबीएसई 10वीं की परीक्षा 2026 से 2 बार होगी

- पहली परीक्षा कम्पल्सरी, दूसरी ऑप्शनल

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीबीएसई यानी सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन साल 2026 से 10वीं क्लास के बोर्ड एग्जाम्स दो बार कराएगा। इसके लिए अब मंजूरी मिल चुकी है। एग्जामिनेशन कंट्रोलर संयम भारद्वाज ने यह जानकारी दी है। पहली परीक्षा सभी छात्रों के लिए जरूरी होगी। पहली परीक्षा फरवरी और दूसरी मई में होगी। नतीजे अप्रैल और जून में जारी किए जाएंगे। 12वी बोर्ड पर अभी यह फैसला लागू नहीं होगा।

पहले चरण में उपस्थित होना अनिवार्य

कक्षा 10 के छात्रों के लिए बोर्ड परीक्षा के पहले चरण में उपस्थित होना अनिवार्य, दूसरा चरण वैकल्पिक रहेगा। आंतरिक मूल्यांकन केवल एक बार किया जाएगा।इस फैसले के बाद छात्रों को अपने अंकों में सुधार का मौका मिल पाएगा। यदि किसी छात्र के अंक पहले चरण में कम रह जाते हैं, तो वह दूसरे चरण में अच्छा प्रदर्शन करके सुधार कर सकेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल रेलवे स्टेशन पर किया एग्जीक्यूटिव लाउंज का शुभारंभ

प्रदेश में मेट्रो ट्रेन सहित चार ट्रैक पर रेल संचालन से व्यवस्थाओं में क्रांति आई है

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में देशवासियों को विश्व स्तरीय रेल सुविधा उपलब्ध हुई हैं। पिछले 11 साल में ट्रेनों के समय पर चलने, रेलवे स्टेशनों की व्यवस्थाओं, रेल मार्ग और ट्रेनों के उन्नयन और यात्री सुविधाओं में आया सकारात्मक बदलाव क्रांति के समान है। देश में बुलेट ट्रेन, सेमी हाईस्पीड ट्रेन और मेट्रो ट्रेनों का विस्तार हो रहा है। इसी क्रम में प्रदेश में इंदौर में सबसे पहले मेट्रो ट्रेन की शुरुआत हुई है। अब भोपाल में भी अक्टूबर से मेट्रो ट्रेन का शुभारंभ होगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी को लोकार्पण के लिए आमंत्रण दिया है। प्रदेश में रेलवे एक लाख करोड़ रुपए की योजनाओं का संचालन कर रहा है। भोपाल के पास रायसेन जिले के उमरिया गांव में आगामी दो माह में रेल कोच बनाने के कारखाने का भूमि पूजन होने वाला है, यह कारखाना बीएचईएल के बराबर होगा। दिल्ली-नागदा-रतलाम का चार ट्रैक का होना रेलवे के क्षेत्र में हो रहे विकास का परिचायक है। जल्द ही भोपाल से राजगढ़ होते हुए झालावाड़ के लिए रेल सुविधा आरंभ होने वाली है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल रेलवे स्टेशन पर एग्जीक्यूटिव लाउंज के शुभारंभ अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में भोपाल महापौर श्रीमती मालती राय उपस्थित थी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यात्रियों के लिए सुविधाएं बढ़ाते हुए अब भोपाल स्टेशन पर स्पेशल और वीआईपी लाउंज का शुभारंभ हो रहा है। यहां मात्र 50 रुपए में यात्रियों को सुविधा मिलेगी। वहीं एक सौ रुपए में लाउंज में रीफ्रेशमेंट भी मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भोपाल को विश्वस्तरीय रानी कमलापति स्टेशन की सौगात मिल चुकी है। रेलवे ने अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत 84 करोड़ की लागत से बीते दिनों नर्मदापुरम, सिवनी, शाजापुर, श्रीधाम और ओरछा सहित प्रदेश के 6 स्टेशनों को आधुनिक बनाने का कार्य किया है। प्रदेश से चल रहीं 4 वंदेभारत ट्रेन 14 राज्यों को कनेक्ट करती हैं।

50 रुपए में एसी हॉल, चाय-कॉफी,टीवी का आनंद, 200 रुपए में अनलिमिटेड खाना

भोपाल रेलवे स्टेशन पर अगर आपको ट्रेन पकड़ने से पहले इंतजार करना पड़े, तो बोरियत नहीं, आराम, मनोरंजन और स्वादिष्ट भोजन आपका स्वागत करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर बने एग्जीक्यूटिव लाउंज का बुधवार को उद्घाटन किया। यहां यात्रियों को होटल जैसी सुविधाएं मिलेगी, वो भी बेहद किफायती दामों पर। नए लाउंज में 50 रुपए में एसी हॉल, चाय-कॉफी, वाईफाई, टीवी और म्यूजिक सिस्टम का आनंद उठाने की सुविधा मिलेगी। साथ ही आपको भूख लगी है तो 200 रुपए में अनलिमिटेड खाना भी मिलेगा। यह सुविधा आईआरसीटीसी और स्तुति इंटरप्राइजेस की साझेदारी में शुरू की गई है, जो खासतौर पर सामान्य यात्रियों की सुविधा और आराम को ध्यान में रखकर डिजाइन की गई है।

उप-राष्ट्रपति वेंस ने कबूला-ईरान का 400 किलो यूरेनियम गायब...

- तेहरान के परमाणु कार्यक्रम पर झूठ पर झूठ बोल रहा अमेरिका

तेहरान/वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के उप-राष्ट्रपति जेडी वेंस ने स्वीकार किया है कि अमेरिका के हमले के बाद ईरान का 400 किलो यूरेनियम 'गायब' हो गया है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने एबीसी न्यूज से बात करते हुए इसकी पुष्टि की है। उन्होंने माना है कि पिछले हफ्ते ईरान की तीन परमाणु सुविधाओं पर अमेरिका के हवाई हमलों के बाद यूरेनियम का 400 किलोग्राम भंडार गायब हो गया है। उन्होंने माना है कि 400 किलो संवर्धित यूरेनियम से कम से कम 10 परमाणु बमों का निर्माण हो सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक ये 400 किलो यूरेनियम करीब 60 प्रतिशत तक संवर्धित है और परमाणु बम बनाने के लिए 90 प्रतिशत संवर्धित होना जरूरी है। दावा किया गया था कि ईरान 3-4 हफ्तों में 60 प्रतिशत से 90 प्रतिशत यूरेनियम संवर्धित कर लेता, इसीलिए इजरायल ने ईरान पर हमला किया था। रिपोर्ट के मुताबिक 60 प्रतिशत तक संवर्धित यूरेनियम को ईरान के प्रमुख स्थलों पर संग्रहीत किया गया था और अब माना जाता है कि अमेरिका के हमले से पहले इसे हटा दिया गया था।

ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर झूठ बोल रहा अमेरिका?– अमेरिका, ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर जो कहानी बना रहा है, वो माथा चकराने वाला है। अमेरिकी अधिकारी खुद बार–बार बयान बदल रहे हैं। इजरायल के पहले हमले के बाद सीएनएन की एक रिपोर्ट में कहा गया था कि अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने आकलन किया है कि ईरान सक्रिय रूप से परमाणु बम नहीं बना रहा है और उसे अभी भी एक बम बनाने में लगभग तीन साल लगेंगे।

परमाणु कार्यक्रम को आगे बढ़ाया तो फिर करेंगे हवाई हमले... ट्रंप ने ईरान को फिर धमकाया

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को नीदरलैंड के हेग में नाटो समिट में मीडिया से बात की। इसमें उन्होंने कहा कि अगर ईरान ने अपना न्यूक्लियर प्रोग्राम फिर से शुरू किया तो फिर हमला करेंगे। ट्रम्प ने कहा कि 22 जून को अमेरिकी हमले के बाद इजराइली एजेंट्स ईरान के फोर्डो न्यूक्लियर साइट गए थे। उन्होंने ही बताया कि फोर्डो न्यूक्लियर साइट पूरी तरह तबाह हो गई है।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 41 °c
न्यूनतम 35°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ गुरुवार, 26 जून 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है, हमें नष्ट भी कर सकती है; यह अग्नि का दोष नहीं है।
चाणक्य नीति

आंध्र प्रदेश में भी राजा रघुवंशी हत्याकांड जैसा मामला

प्रेमी के साथ मिलकर पत्नी ने पति को लगा दिया ठिकाने, ऐसे हुआ पर्दाफाश

नई दिल्ली (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश में भी इंदौर के राजा रघुवंशी हत्याकांड जैसा एक मामला सामने आया है। यहां एक महिला ने शादी के कुछ ही दिनों बाद प्रेमी के साथ मिलकर अपने पति की हत्या करवा दी और फिर दोनों का प्लान लद्दाख भाग जाने का था।

पुलिस को एक नहर में व्यक्ति की लाश बरामद हुई, जो काफी हद तक सड़ चुकी थी। टैटू से पहचान होने के बाद मृतक के परिवार वालों ने उसकी पत्नी पर हत्या का आरोप लगाया। चौंकाने वाली बात ये है कि हत्या के बाद भी उसकी पत्नी ससुराल में ही रह रही थी। पुलिस ने अब पूरे खेल का पर्दाफाश कर दिया है।

बैंक मैनेजर के साथ था अफेयर

पूरा मामला आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले का है। यहां एक नॉन बैंकिंग फाइनेंशियल कॉरपोरेशन में सुजाता नाम की महिला सफाई कर्मी के तौर पर काम करती थी। सुजाता का बैंक के मैनेजर तिरुमल राव के साथ अफेयर था। राव की शादी 8 साल पहले हो चुकी थी, लेकिन उसका कोई बच्चा नहीं था। इसी दौरान सुजाता की जगह उसकी 23 वर्षीय बेटी ऐश्वर्या ने नौकरी जॉइन कर ली और राव के साथ उसका भी प्रेम प्रसंग शुरू हो गया।

मीसाबंदियों का संघर्ष स्वतंत्रता संग्राम के क्रांतिकारियों जैसा : सीएम

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने देश में आपातकाल लागू किए जाने की 50वीं बरसी पर कहा है कि गणतंत्र की रक्षा के लिए जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सहित सभी देशभक्तों ने आपातकाल के संघर्ष में कुर्बानी दी है। इसी का प्रतिफल है कि आज दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र सुरक्षित है। भारत में संघ परिवार ने लोकतंत्र की पुर्नस्थापना का कार्य किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को मीडिया को जारी संदेश में यह विचार व्यक्त किए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी, हमारे मार्गदर्शक श्री लालकृष्ण आडवाणी, पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह तथा श्रद्धेय मोरारजी देसाई सहित विपक्ष के सभी नेताओं ने एक स्वर में आपातकाल का विरोध करते हुए लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष किया। यह स्वाधीनता संग्राम में क्रांतिकारियों द्वारा किए गए संघर्ष और बलिदान की याद दिलाता है। इसीलिए सभी मीसाबंदियों को लोकतंत्र सेनानी नाम मिला है। उन्होंने कहा कि एशिया में लोकतंत्र कहीं बचा है तो उसमें जनता पार्टी सहित विपक्षी नेताओं की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। उल्लेखनीय है कि 25 जून 1975 को देश में आपातकाल लागू किया गया था। इसे लोकतंत्र के लिए काला दिन माना जाता है।

छत ढलाई कर रहे 3 मजदूरों की करंट से मौत

रायसेन में 4 लोगों की हालत गंभीर; लिफ्ट मशीन को धक्का लगा रहे थे

रायसेन (नप्र)। रायसेन जिले के सिलवानी के बम्होरी थाना क्षेत्र के ग्राम पड़रिया कला में बुधवार को करंट लगने से 3 मजदूरों की मौत हो गई। चार की हालत गंभीर है, उन्हें सिलवानी अस्पताल लाया गया है। मजदूर मकान के छत की ढलाई कर रहे थे।

दोपहर करीब 3 बजे सभी मजदूर लिफ्ट मशीन को धक्का लगाने के लिए पहुंचे, तभी वह बिजली तारों की चपेट में आकर झुलस गए। हादसे में तीन मजदूरों राजेश, आजाद और रूपा की जान चली गई। वहीं, नीलेश ठाकुर (24) निवासी नयाखेड़ा, सुरेंद्र कहार (22) निवासी पड़रिया कला, कमल कहार (35) निवासी गौहरगंज और दुर्गेश कहार (35) निवासी बाड़ी घायल हो गए।

पक्के घर पर छत डालने के दौरान हादसा- जानकारी के मुताबिक ग्राम पड़रिया कला में जमना केवट के पक्के घर पर छत डाली जा रही थी। इसी दौरान मसाला (सीमेंट-कॉन्क्रीट) मिक्स करने वाली लिफ्ट मशीन को मजदूर मिलकर निकाल रहे थे। तभी धक्का लगा रहे 7 मजदूर करंट की चपेट में आ गए।सभी मजदूरों को बम्होरी हॉस्पिटल लाया गया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद सिलवानी हॉस्पिटल लाया गया है।

परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल- घटना की जानकारी लगते ही अस्पताल में मजदूरों के परिजन भी पहुंच गए। महिलाओं का रो-रोकर बुरा हाल है।

'राजस्थान के सीएम को हटाने का षड्यंत्र'!

अशोक गहलोत के दावे ने बढ़ाई भाजपा की परेशानी

जोधपुर (एजेंसी)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को हटाने का षड्यंत्र चल रहा है और यह षड्यंत्र राजस्थान से लेकर दिल्ली तक किया जा रहा है। यह दावा किया है राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के दिग्गज नेता अशोक गहलोत ने।

इसके अलावा आपातकाल को लेकर भाजपा के जश्न पर भी अशोक गहलोत ने कई सवाल खड़े किए है। अपने गृह नगर जोधपुर के तीन दिवसीय दौरे पहुंचे अशोक गहलोत ने सर्किट हाउस में मीडिया से बातचीत करते हुए यह बात कही है। पूर्व मुख्यमंत्री के इस बयान से राजस्थान में राजनीतिक हलचलें तेज हो गई हैं।

गहलोत के दावे से मची सियासी खलबली- आगे बोलते हुए गहलोत ने कहा कि लोग प्लानिंग कर चुके हैं, लेकिन भजनलाल शर्मा यह समझ नहीं पा रहे हैं। हम उन पर आरोप नहीं लग रहे हैं। अभी तो उनकी सरकार को महज डेढ़ साल ही हुए हैं ऐसे में कैसा आरोप। हम तो उन्हें चेतावनी दे रहे हैं बार-बार उन्हें समझा रहे हैं। पहली बार एक नए नौजवान को पहली बार विधायक बनते ही मुख्यमंत्री बनाया गया है , यह कितनी बड़ी बात है। इसे मेंटेन रखें, बार-बार सीएम बदलने से क्या फायदा?

अशोक गहलोत के इस बयान से अब सियासी हल चलें तेज हो गई है। इतना ही नहीं आपातकाल को लेकर भारतीय जनता पार्टी के जश्न पर भी अशोक गहलोत ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा है कि भाजपा जश्न मना रही है लेकिन जनता यह बात समझ चुकी है 50 साल

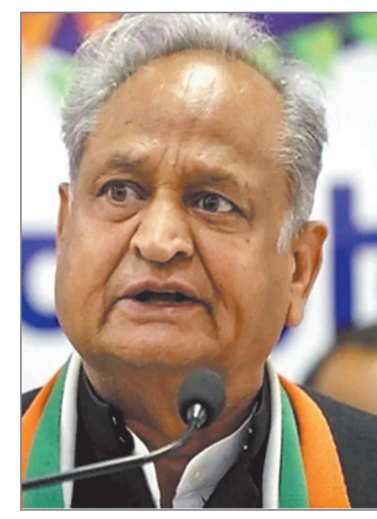

पहले जो इमरजेंसी को लेकर एक्शन हुआ था, उसका नतीजा कांग्रेस भुगत चुकी है। उसके बाद इंदिरा गांधी की आंधी चली थी और कांग्रेस भारी बहुमत से जीती थी, तब मैं भी सांसद बना था। भाजपा 50 साल बाद भी अब उसे मुद्दे को भुनाने के प्रयास में है, लेकिन इसमें वह सफल नहीं होंगे। अशोक गहलोत ने भाजपा पर जमकर प्रहार किया। सर्किट हाउस में आम लोगों से मुलाकात के बीच अशोक गहलोत ने भारतीय जनता पार्टी पर हिंदू मुस्लिम के नाम पर राजनीति करने की बात कही। अशोक गहलोत ने कहा कि कांग्रेस ने कभी भी हिंदू मुस्लिम के नाम पर राजनीति नहीं की हिंसा का समर्थन नहीं किया। अशोक गहलोत तीन दिन के जोधपुर के दौरे पर है।

थरूर पर खड़गे बोले-

कुछ लोगों के लिए मोदी फर्स्ट, हमारे लिए देश पहले

नई दिल्ली/मॉस्को (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद कांग्रेस सांसद शशि थरूर अन्य सांसदों के साथ गयाना, पनामा, कोलंबिया, ब्राजील और अमेरिका गए थे। वहां से लौटकर 10 जून को पीएम मोदी डेलीगेशन में गए सांसदों से मिले थे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने दिल्ली में बुधवार को शशि थरूर को लेकर कहा– मैं अंग्रेजी नहीं पढ़ सकता, लेकिन उनकी (थरूर की) लैंग्वेज बहुत अच्छी है। इसलिए हमने उन्हें पार्टी की वर्किंग कमेटी का मेंबर बनाया है। मैं यह कहना चाहता हूं कि पूरे विपक्ष ने मिलकर कहा कि हम आर्मी के साथ हैं। हमारे लिए देश पहले है, लेकिन कुछ लोगों के लिए मोदी फर्स्ट हैं। सोमवार को द हिंदू में पब्लिश एक आर्टिकल में थरूर ने लिखा था कि मोदी की ऊर्जा, गतिशीलता और जुड़ने की इच्छा वैश्विक मंच पर भारत के लिए प्रमुख संपत्ति बनी हुई है, लेकिन उन्हें और ज्यादा सपोर्ट मिलना चाहिए।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल ने राजकीय विमानतल पर बुधवार को सौजन्य भेंट की।

हिमाचल के कुल्लू में बादल फटने से तबाही, बाढ़ में बह गए मकान

5 जिलों में बाढ़ का अलर्ट; हल्द्वानी में 4 की मौत

- बांसवाड़ा में 8 इंच बारिश, 6-जिलों में बरसा पानी: बूंदी में डेढ़ घंटे तक नदी में चट्टान पर अटके रहे बहन-भाई

शिमला/नई दिल्ली/भोपाल/लखनऊ (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में बुधवार को दो जगह बादल फटा। सैंज घाटी में जीवा नाला उफान पर आ गया और मणिकर्ण के ब्रम्हगंगा में बादल फटने से यहां के नदी-नालों का जल स्तर अचानक से बढ़ गया।

उत्तराखंड के हल्द्वानी में बुधवार सुबह एक कार नहर में गिर गई। 7 लोगों में 4 की मौत हो गई। इनमें तीन दिन का बच्चा भी शामिल है। पीड़ित अस्पताल से बच्चे की डिलीवरी के बाद घर जा रहे थे।

गुजरात के सूरत का अधिकांश हिस्सा बाढ़ की चपेट में है। कई सोसाइटियों में पानी भर गया। लोगों को ट्रैक्टर के जरिए रेस्क्यू किया गया। परवत पाटिया इलाके में 5 फीट से ज्यादा पानी भरा हुआ है। यहां बीमार बुजुर्ग को स्ट्रेचर पर लिटाकर पानी से निकालकर एम्बुलेंस तक ले जाया गया। मध्य भारत के मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, पूर्वी गुजरात और राजस्थान के कई हिस्सों में भी भारी बारिश के संकेत हैं। अगले 24 घंटों में पंजाब, हरियाणा और

दिल्ली में भी तेज बारिश हो सकती है। उत्तर-पश्चिमी राजस्थान में 26 जून से मानसून सक्रिय होने के साथ बारिश तेज होने की संभावना है। मध्य प्रदेश के ऊपर से ट्रफ लाइन गुजरने की वजह से बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव है। मौसम विभाग के मुताबिक, ट्रफ गुजरने के साथ ही

जयपुर में बारिश का 10 साल का रिकॉर्ड टूटा - राजस्थान के अधिकतर जिलों में मानसून एक्टिव है। सीकर-जालोर में रिमझिम बारिश का दौर जारी है। जयपुर में 10 साल के बारिश का रिकॉर्ड टूट गया है। बुधवार को भी 25 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है। सीकर में बुधवार सुबह करीब साढ़े 7 बजे से बारिश का दौर शुरू हुआ, जो रुक-रुक कर जारी है।

मध्य प्रदेश: 16 जिलों में हैवी रेन का अलर्ट; भोपाल, ग्वालियर-चंबल संभाग में स्ट्रॉन्ग सिस्टम- मध्य प्रदेश के 16 जिलों में बुधवार को हैवी

रेन का अलर्ट है। इनमें भोपाल, नर्मदापुरम, रीवा, सागर, ग्वालियर-चंबल संभाग के जिले शामिल हैं। यहां अगले 24 घंटे में साढ़े 4 इंच तक पानी गिर सकता है। इससे पहले मंगलवार को 20 से अधिक जिलों में बारिश हुई।

उ.प्र.बारिश का 54 साल का रिकॉर्ड टूटा, लखनऊ में बादल छाए, 29 जिलों में बरसात का अलर्ट- आज भारी बारिश का अलर्ट है, बाकी जगह हल्की बारिश हो सकती है। लखनऊ में बुधवार सुबह बादल छाए हैं। मानसून ने सभी 75 जिलों को कवर कर लिया है। 18 जून को ललितपुर और सोनभद्र के रास्ते मानसून ने एंट्री ली थी।

आमिर खान ने की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात

सितारे जमीन पर, राष्ट्रपति भवन में रखी थी स्पेशल स्क्रीनिंग

नईदिल्ली (एजेंसी)। आमिर खान ने दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की है। बुधवार को ये मुलाकात दिल्ली के राष्ट्रपति भवन में हुई, जहां आमिर ने अपनी हालिया रिलीज फिल्म सितारे जमीन पर की स्पेशल स्क्रीनिंग रखी थी। इस

दौरान फिल्म की पूरी कास्ट मौजूद थी। प्रेसिडेंट ऑफ इंडिया के आधिकारिक एक्स प्लेटफॉर्म से इसकी जानकारी देते हुए स्पेशल स्क्रीनिंग की तस्वीरें शेयर की गई हैं। पोस्ट में आमिर खान और द्रौपदी मुर्मू की तस्वीर के साथ लिखा गया है, पॉपुलर फिल्ममेकर और एक्टर श्री आमिर खान ने प्रेसिडेंट द्रौपदी मुर्मू से राष्ट्रपति भवन में मुलाकात की है।

फ्रांसीसी युवती से रेप, आरोपी कास्टिंग कंपनी का मालिक

- सलमान-अक्षय के साथ काम किया, पकड़े जाने पर बोला- मेरे साथ हनी ट्रैप हुआ

उदयपुर (एजेंसी)। उदयपुर में एड शूट करने आई फ्रांस की युवती से रेप के आरोपी को चित्तौड़गढ़ से गिरफ्तार कर लिया गया है। वह कास्टिंग कंपनी का मालिक है। मूवी से लेकर ऐड, सॉन्ग और सीरियल में कास्टिंग करता है। सलमान खान और अक्षय कुमार जैसे बॉलीवुड स्टार की फिल्मों में कास्टिंग कर चुका है। गिरफ्तारी के बाद आरोपी पुष्पराज उर्फ सिद्धार्थ ओझा (29) ने कहा है कि उसके साथ हनी ट्रैप हुआ है। उसे बॉलीवुड के कुछ लोग फंसा रहे हैं। पुष्पराज चित्तौड़गढ़ के गंगरार तहसील क्षेत्र का रहने वाला है।

पंजाब के पूर्व अकाली मंत्री मजीठिया गिरफ्तार

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब विजिलेंस ने पूर्व अकाली मंत्री बिक्रम मजीठिया को गिरफ्तार कर लिया है। यह गिरफ्तारी आय से अधिक संपत्ति के केस में की गई है।

अमृतसर से गिरफ्तार करने के बाद विजिलेंस की टीम मजीठिया को मोहाली ले गई। जहां उन्हें कोर्ट में पेश किया जाएगा। इस बीच अकाली दल के नेताओं और समर्थकों का कोर्ट के बाहर पहुंचना शुरू हो गया है, कार्यकर्ता यहां पर जमकर नारेबाजी कर रहे हैं।

आपातकाल के 50 साल

मोदी ने लिखा- कांग्रेस ने लोकतंत्र को कैद किया; खड़गे का जवाब- ये झूठ छिपाने का नाटक

- इमरजेंसी को लेकर कैबिनेट बैठक में रखा गया दो मिनट का मौन, बलिदान को याद करते हुए प्रस्ताव पारित

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को कैबिनेट बैठक में आपातकाल के 50 साल पूरे होने पर एक प्रस्ताव पास किया गया। इसके बाद आपातकाल के पीड़ितों को श्रद्धांजलि के रूप में दो मिनट का मौन रखा गया। इससे पहले बुधवार सुबह पीएम मोदी ने आपातकाल को लेकर सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि इस दिन कांग्रेस ने लोकतंत्र को कैद कर लिया था। प्रेस की स्वतंत्रता को खत्म कर दी थी। इस पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने जवाब दिया कि, ये लोग अपनी गलती छिपाने के लिए यह

सब नाटक करते हैं। दरअसल 25 जून 1975 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश में आपातकाल की घोषणा की थी। यह 21 मार्च 1977 यानी 21 महीने तक लागू रहा था। भाजपा इस दिन को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाती है। इमरजेंसी को लेकर मोदी ने लिखा, यह भारत के लोकतांत्रिक इतिहास के सबसे काले अध्यायों में से एक है। भारत के लोग इस दिन को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाते हैं।भारत के लोकतांत्रिक ढांचे की रक्षा करना और उन आदर्शों को बनाए रखना, जिनके लिए हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने अपना जीवन समर्पित कर दिया।

पुलिस ने वीडियो से ब्लैकमेल करने वाले को गुना से पकड़ा

पुलिस ने गुना में दी थी एक दर्जन स्थानों पर दबिश

इंदौर। गुना के युवक ने युवती के पहले तो अश्लील वीडियो बनाए, बाद में ब्लैकमेल कर उसके साथ दुष्कर्म किया। जब युवती ने शादी की बात की तो वह अपने घर चला गया। शिकायत के बाद पुलिस ने उसे गुना से पकड़ लिया। इसके पहले पुलिस ने एक दर्जन स्थानों पर दबिश दी थी। विजयनगर थाना क्षेत्र में रहने वाली युवती ने युवक की शिकायत करते हुए बताया कि वो रिश्तेदारी में गुना गई थी। उसकी वहीं पर युवक से पहचान हुई थी। युवक एक बार इंदौर आया था। यहां दबाव बनाकर मेरे अश्लील वीडियो बना लिए और उन्हें वायरल करने की धमकी देने लगा। इसके बाद उसने गुना बुलाया। जब मैं वहां गई तो दुष्कर्म किया। मामले में पुलिस का कहना है कि आरोपी को पकड़ने एक टीम सब इंस्पेक्टर अजय यादव के नेतृत्व में गुना रवाना की गई थी। टीम में हवलदार संदीप चौधरी और सिपाही अमित थे। टीम ने युवक को पकड़ने कई जगह दबिश दी, लेकिन वह नहीं मिल पाया। इसके बाद उसके दो -तीन रिश्तेदारों का पता चला, जब पुलिस ने उन्हें पकड़ा तो युवक की जानकारी लग गई। उधर, युवक की गिरफ्तारी के लिए हिंदू संगठन के लोग बार बार पुलिस अफसरों को शिकायत कर रहे थे।

लापता हुई नाबालिग वड़ोदरा में मिली, परिजनों को सौंपा

इंदौर। गुटखा पाउच लेने गई नाबालिग लापता हो गई थी। परिजनों ने तिलक नगर थाने में उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई। तत्काल पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे खंगाले। मात्र 24 घंटे में बालिका को गुजरात के वड़ोदरा से सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंप दिया। थाने पर महिला ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 22 जून की शाम चार बजे मैं तथा परिवार के सभी सदस्य घर पर ही थे। तभी मेरी बेटी संगीता (परिवर्तित नाम) गुटखा पाउच लेने का बोलकर गई थी। जब सायं 6 बजे तक वह घर नहीं आई तो परिवार के लोगों ने उसके बारे में आसपास की दुकानों पर पूछताछ की। लेकिन, उसका कोई पता नहीं चला। मामले में पुलिस को शिकायत की। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए अलग-अलग टीम गठित की। टीम ने घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालते हुए लोगों से पूछताछ की। इस दौरान टीम को पता चला कि बालिक इन्दौर-पुणे जाने वाली ट्रेन में बैठी है। उसके बाद बोगी में बैठे यात्रियों, जीआरपी और आरपीएफ से सम्पर्क किया। इसी बीच टीम तत्काल रात में ही वडोदरा रवाना हुई। यहां से उसे बरामद किया गया। बालिका ने पूछताछ में बताया कि वह घूमने के लिए ट्रेन में बैठ गई थी।

गांजा बाजार में बेचते दो धराए

इंदौर। खेत में बदमाशों ने गांजा उगाया और उसे बाजार में नशेड़ियों को बेचने निकले, लेकिन पुलिस की सक्रियता ने उनके मंसूबे पर पानी फेर दिया। बदमाशों को नशे की लत ने तस्करी करने पर मजबूर किया था। उनके पास से 11 किलो मादक पदार्थ जब्त किया है। सराफा पुलिस ने भ्रमण के दौरान सुनसान जगह पर बाइक पर दो बोरे लेकर संदिग्ध आते दिखे। उन्हें रोककर पूछा तो वे बरगलाने लगे। बोरे की तलाश में मादक पदार्थ मिला। मामले में राजेन्द्र पिता उमराव ओसारी निवासी कछ्वानिया थाना धामनोद तथा पंकज पिता पांचीलाल भील निवासी सालीपुरा थाना महेश्वर को पकड़ा।

महिला का मंगलसूत्र झपटने वाले पकड़ाए

इंदौर। मंदिर से लौट रही महिला का बाइक सवार बदमाश मंगलसूत्र झपटकर भाग निकले थे। लसूड़िया पुलिस को फरियादी प्रभा पति जवाहरलाल सोनी निवासी स्कीम 114 पार्ट। ने बताया कि 9 जून को मैं मंदिर से अपने घर लौट रही थी। तभी पानी की टंकी के पास बाइक से आए बदमाश वारदात कर भाग निकले। महिला की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों पर धारा 309(4) का केस दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी थी। मुखबीर की सूचना पर आरोपी चेतन पिता वीरू लोवंशी निवासी नंदानगर तथा आशीष उर्फ अंकित पिता गुलाब सवबचले निवासी रघुनंदन बाम कबीटखेड़ी को गिरफ्तार कर लिया है।

बुजुर्ग का मोबाइल चोरी

इंदौर। एरोड्रम थाना क्षेत्र में बुजुर्ग का मोबाइल उस वक्त चोरी हो गया, जब वे सब्जी लेने बाजार गए थे। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, 65 वर्षीय मनोहर प्रजापत निवासी वैष्णो देवी कॉलोनी ने शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि वे रविवार को छोटा बागड़दा इलाके में सब्जी खरीदने गए थे। उनका मोबाइल शर्ट की आगे की जेब में रखा था। इसी दौरान भीड़ का फायदा उठाकर किसी बदमाश ने जेब से मोबाइल चुरा लिया।

टाइल्स चुराने वाले की तलाश

इंदौर। अस्पताल से टाइल्स चुराने वाले बदमाश की पुलिस ने तलाश शुरू कर दी है। अन्नपूर्णा थाने पर यूनिक अस्पताल के डॉक्टर राकेश पिता रमेश पाटीदार निवासी गीता नगर ने आरोपी अजय सूर्यवंशी निवासी द्वारकापुरी की शिकायत करते हुए बताया कि आरोपी ने टाइल्स की पेटियां चुरा ली। तिलकनगर थाना इलाके के गोयल नगर में रहने वाले दिनेश कुमार बाथम के सूने मकान का ताला तोड़कर चोर चांदी के जेवरात चुराकर ले गए।

बुजुर्ग इलेक्ट्रिशियन ने फांसी लगाई

इंदौर। अज्ञात कारणों के चलते गांधी नगर इलाके में बुजुर्ग ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक का नाम सिद्धार्थ नगर निवासी प्रेम पिता छगन लाल (58) है। सोमवार रात परिजन उसे फंदे से उतारकर अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां परीक्षण के पश्चात डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। वह इलेक्ट्रिशियन का काम करता था। इसी प्रकार, दिनेश पिता राधेश्याम (40) निवासी इंद्रा नगर पंचकुइयां की संदिग्ध हालात में शिवाजी मार्केट के समीप मौत हो गई। एमजी रोड पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है।

लाखों की शराब कार से जब्त

इंदौर। ग्राम कायस्थ खेड़ी में वाहन चेकिंग के दौरान सांवेर पुलिस ने टवेरा कार से अवैध शराब सप्लाई कर रहे आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी का नाम अरुण पिता भोलाराम कुमावत निवासी ग्राम केसरीपुरा है। कार से तीन पेटी देशी शराब, एक पेटी बियर, एक पेटी अंग्रेजी शराब जब्त की है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह अवैध शराब सप्लाय करने जा रहा था। इसी प्रकार, लसूडिया पुलिस ने लोडिंग रिक्शा से दो पेटी अंग्रेजी शराब के साथ आरोपी कैलाश पिता कन्हैयालाल मालवीय और दिलीप पिता रामप्रसाद पवार को पकड़ा। आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

जमीन हड़पने का प्रयास, मामला दर्ज

इंदौर। खुड़ैल में करोड़ों की खेती की जामीन हड़पने का मामला सामने आया है। इस जमीन के फर्जी दस्तावेज बदमाश ने तैयार कर लिए थे। मामला ग्राम तिल्लौर खुर्द स्थित भूमि सर्वे क्रमांक 233/1/1/2, 233/1/1/3 , 233/1/2 का है। पुलिस ने आरोपी संतोष पिता मांगीलाल ठाकुर निवासी ग्राम तिल्लौर खुर्द और अन्य साथियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक, 22 मार्च 2024 को आरोपी संतोष ने अन्य लोगों के साथ मिलकर फरियादी के साथ पुनः भूमि का बटांकन एंव सीमाकंन करवाया था। इसके बाद सरकारी दस्तावेजों में हेरफेरी कर छलपूर्वक जमी हथिया ली। शिकायत की जांच के बाद आरोपी के खिलाफ जालसाजी, धोखाधड़ी की धाराओं में अपराध दर्ज कर लिया है।

राज से अपने रिश्ते का सच सोनम ने उगल दिया

राजा को बीच से हटाना था, इसलिए हत्या की

मेघालय पुलिस के मुताबिक, दोनों ने ही कबूल कर लिया कि उनके बीच प्रेम रहा

इंदौर। कारोबारी राजा रघुवंशी हत्याकांड मामले में लगातार चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। ऐसा ही एक सनसनीखेज खुलासा मेघालय पुलिस ने किया। पुलिस का कहना है कि राजा की पत्नी और उसकी हत्या में भागीदार सोनम रघुवंशी और उसके प्रेमी राज कुशवाहा ने अपने बीच प्रेम संबंध होने की बात को कबूल कर लिया। सोनम रघुवंशी ने कबूला राज कुशवाह संग रिश्ते का सच। बोली कि किसी को जिंदगी से बाहर निकालना था इसलिए यह सब किया। आखिर राजा रघुवंशी हत्याकांड में अब सोनम रघुवंशी और राज कुशवाह ने अपने रिश्ते का सच उगल दिया। मेघालय पुलिस के मुताबिक, दोनों ने ही कबूल कर लिया कि उनके बीच प्रेम था। ईस्ट खासी हिल्स के पुलिस अधीक्षक विवेक सिम ने बताया कि राज और सोनम दोनों ने रिश्ते में होने की बात स्वीकार की है। उन्होंने कहा कि वे दोनों किसी को अपनी जिंदगी से बाहर निकालना चाहते थे। 'किसी को' से मतलब राजा से, क्योंकि उनके बीच रिश्ता था। सोनम के माता पिता ने उनके रिश्ते को नकार दिया था, इसलिए वो चाहते थे कि राजा को पहले रास्ते से हटाया जाए। फिर बाद में दोनों शादी कर लेंगे। पुलिस ने पहले कहा था कि जब सोनम के परिवार को राज के साथ उसके रिश्ते के बारे में पता चला, तो उन्होंने इसे स्वीकार करने और दोनों को शादी करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया था। साथ ही सोनम के घरवालों ने उसका रिश्ता ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी से तय कर दिया। इसके बाद सोनम ने चेतावनी देते हुए कहा था कि वह ऐसा कुछ करेगी, जिसका असर दोनों परिवारों पर भी पड़ेगा।

नार्को टेस्ट को मंजूरी नहीं- इस मामले की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) ने पीड़ित के परिवार की उस मांग को खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने दोनों मुख्य आरोपियों सोनम और राज का नार्को टेस्ट कराने की मांग की थी। इसकी वजह बताते हुए अधिकारियों ने कहा कि एक तो उनके पास आरोपियों के खिलाफ सभी आवश्यक सबूत हैं। साथ ही नार्को-विश्लेषण के परिणाम अदालत में स्वीकार्य नहीं हैं, इसलिए नार्को टेस्ट कराने की कोई जरूरत नहीं। नार्को टेस्ट कराने की जरूरत से मना करते हुए पुलिस अधीक्षक ने कहा कि उन्होंने पहले ही वारदात को करने की बात कबूल कर ली है। हमने क्राइम सीन को दोहराया है, जिसमें उन्होंने हमें हत्याकांड के बारे में सबकुछ बताया है। हमारे पास सबूत हैं, ऐसे में मुझे नहीं लगता कि हमें इस स्तर पर (नार्को एनालिसिस टेस्ट) क्यों करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आमतौर पर नार्को परीक्षण तब किया जाता है जब कोई सबूत नहीं होता है, और वैसे भी नार्को विश्लेषण पर सुप्रीम कोर्ट प्रतिबंध लगा चुका है।

गुरुवार को कोर्ट में पेशी

पुलिस अधिकारी ने कहा कि मामले की जांच सावधानीपूर्वक की जा रही है, जिसमें केवल इकबालिया बयानों पर निर्भर रहने के बजाय मजबूत और स्वीकार्य सबूत तैयार करने पर जोर दिया जा रहा है। इसका उद्देश्य जल्द से जल्द कानूनी रूप से टिकाऊ आरोप पत्र तैयार करना है। गिरफ्तार आरोपियों को गुरुवार को अदालत में पेश किए जाने की संभावना है।

ग्वालियर से पकड़ाए लोकेंद्र ने कहा: 'जब आऊंगा तो हकीकत बताऊंगा'

इंदौर। ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी हत्याकांड में पकड़े गए बिल्डर लोकेंद्र सिंह तोमर से मेघालय पुलिस लगातार पूछताछ कर रही है। बिल्डर को ग्वालियर से सोमवार को गिरफ्तार किया था और मंगलवार को कोर्ट में पेश किया गया। इस दौरान उसने मीडिया से कहा कि छूटकर आने के बाद सारी हकीकत बताउंगा। उसी के कहने पर शिलोम जेम्स ने सोनम का बैग जलाया गया था। ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की हत्या के बाद सोनम शिलांग से लौटकर इंदौर के जिस फ्लैट में रुकी थी, उसके मालिक लोकेंद्र सिंह तोमर को पुलिस ने ग्वालियर कोर्ट में पेश कर उसकी ट्रांजिट रिमांड ली। लोकेंद्र को ग्वालियर पुलिस ने गिरफ्तार किया और पेशी के लिए जाते वक्त लोकेंद्र ने कहा कि मुझे अभी आरोपों का पता नहीं है। छूटकर आऊंगा तो प्रेस कॉन्फ्रेंस करूंगा। लोकेंद्र की बिल्डिंग के फ्लैट में सोनम 30 मई से 7 जून तक रुकी थी। उसने ये बिल्डिंग शिलोम जेम्स को किराए पर दी थी। राजा की हत्या के बाद इंदौर लौटी सोनम देवास नाका स्थित जिस फ्लैट में रुकी थी, उसमें उसने काले रंग का एक बैग भी छोड़ा था। पुलिस इस बैग को तलाश रही थी। 20-21 जून को पुलिस ने फ्लैट के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले तो इस बैग के बारे में जानकारी मिली। इसके बाद टीम ने प्रॉपर्टी ब्रोकर शिलोम जेम्स और गार्ड बलवीर अहिरवार को गिरफ्तार कर लिया था। शिलोम ने पूछताछ में बताया है कि जिस बिल्डिंग में सोनम रुकी थी, उसे उसने तीन लाख रुपए प्रतिमाह किराए पर लिया था। वहां वो अलग-अलग किराएदारों को ठहराता था। सोनम की गिरफ्तारी के बाद लोकेंद्र ने ही शिलोम पर दबाव बनाया था कि फ्लैट से तुरंत बैग हटाकर उसे जला दे। उस बैग में राजा और सोनम के मोबाइल फोन सहित कई अहम सबूत थे। जले हुए बैग से जो सामान जब्त हुआ, पुलिस उसकी फोरेंसिक जांच कराएगी। यह भी पता लगाया जाएगा कि बैग के साथ और क्या-क्या सामान जलाया गया है।

क्राइम ब्रांच ने विशाल के घर से उसके कपड़े जब्त किए

विशाल के कपड़े जब्त किए

इस मामले में इंदौर क्राइम ब्रांच के एसीपी पूनमचंद यादव ने बताया था कि आरोपी विशाल चौहान के घर से हत्या के वक्त पहने गए कपड़े जब्त किए गए। वहीं, शिलांग में राजा के शव के पास से भी जो एक शर्ट जब्त हुई, जिसे हत्यारे की बताया गया था। पुलिस ने खुलासा किया था कि मौके से मिली शर्ट विशाल की ही है। क्राइम ब्रांच की टीम विशाल के घर खून से सने कपड़े जब्त करने पहुंची थी। उन्होंने आरोपियों के मोबाइल नष्ट करने की भी बात कही। लेकिन, एसीपी ने खुले मैदान से सिम जब्त होने की पुष्टि की।

सुनाई नहीं देगा अमिताभ का साइबर ठगी से आगाह करने वाला संदेश

इंदौर के पूर्व विधायक की शिकायत के 24 घंटे में निर्देश दिया

इंदौर। अमिताभ बच्चन की आवाज में साइबर ठगी को लेकर आगाह करती डायलर टोन बंद कर दी गई। अभी तक यह डायलर टोन हर फोन कॉल पर सुनाई दे रही थी। यह मांग इंदौर के पूर्व विधायक सुदर्शन गुप्ता ने उठाई थी, जिस पर एक ही दिन में अमल हो गया। दूरसंचार मंत्रालय स्तर पर इस डायलर टोन को बंद करने का निर्णय ले लिया गया।

योगाभ्यास में शामिल होने इंदौर आए केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को पूर्व विधायक सुदर्शन गुप्ता ने इस बारे में ज्ञापन दिया था। एक दिन बाद दिल्ली में दूरसंचार मंत्रालय की बैठक में इस प्रस्ताव को रख दिया गया। मंगलवार से इस पर अमल भी हो गया। कुछ महीनों से हर मोबाइल फोन लगाने पर पहले साइबर ठगी से बचने का एक संदेश सुनाई देता, इसके बाद फोन की घंटी बजती। शनिवार को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर इंदौर आए केंद्रीय दूरसंचार मंत्री से एयरपोर्ट पर स्वागत के दौरान ही भाजपा नेता सुदर्शन गुप्ता ने इस बारे में बात की। उन्होंने शिकायत की थी कि साइबर ठगी के प्रति जागरूक करने का सरकारी प्रयास सराहनीय है। हालांकि, इसके लिए डायलर टोन बजाने की बजाए अन्य माध्यम चुने जाने चाहिए। पूर्व विधायक गुप्ता ने मंत्री से कहा कि दो बार ऐसा हुआ कि किसी दुर्घटना के दौरान मैंने एंबुलेंस को फोन लगाने की कोशिश की, तो डायलर टोन के कारण देरी लगी। लोग भी इससे परेशानी महसूस कर रहे हैं। इसके बाद मंत्री ने इस पर सहमति जताकर लिखित ज्ञापन पर तुरंत नोट भी लिख दिया था।

ट्रेन से बुजुर्ग महिला का 45 लाख का सामान गायब हुआ

पुलिस के आपसी समन्वय से चोर पकड़ा गया

इंदौर। ट्रेन से लोनावाला मुंबई जा रही बुजुर्ग महिला का बैग चोरी हो गया था। बैग में 48 लाख रुपए थे। पुलिस के आपसी सामंजस्य से 48 घंटे में चोर पकड़ में आ गया। 20 जून को इंदौर की महिला अपने पति के साथ किसी भागवत कथा के आयोजन में लोनावला मुंबई जा रही थी। सुबह 7.30 बजे ट्रेन के लोनावला पहुंचने के पहले महिला का बैग गायब हो गया। बैग में हीरे के कंगन, हार, अंगूठियां, सोने की घड़ी, सोने की चेन सहित 50 हजार नकदी भी थे, जिनकी 40 से 45 लाख रुपए बताई गई है। बैग को गायब देख बुजुर्ग दम्पति के पैरों तले जमीन खिसक गई। जैसे-तेसे परेशान दम्पति ने किसी के बताने पर रेलवे हेल्पलाइन नम्बर 139 पर सम्पर्क किया और जीआरपी लोनावला में एफआईआर दर्ज कराई। इसके बाद आरपीएफ, जीआरपी और रेलवे अधिकारियों की टीमें तुरंत अलर्ट हुईं। इंदौर, देवास, उज्जैन, रतलाम, सूरत, कल्याण और लोनावला तक सीसीटीवी फुटेज खंगाले। तब पता चला कि संदिग्ध बदमाश मुंबई के कल्याण स्टेशन पर उतरा है। उसकी पहचान महेश अरुण घाग उर्फ विक्की के रूप में हुई, जो मुंबई के चेंबूर का रहने वाला है।

लिव-इन में रहने वाली महिला ने साथ छोड़ा, जहर खाकर जान दी

दो माह पहले ही महिला विवाद के चलते छोड़कर चली गई

इंदौर। लिव इन में रहने वाली युवती ने साथ छोड़ दिया तो परेशान होकर युवक ने जहर खा लिया। युवक डिलीवरी बाय है। राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र की इस घटना में इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई। मृतक का नाम सुनील धुनधाड़े निवासी भीम नगर है। तबीयत बिगड़ने पर उसने दोस्त विकास को फोन किया, जिसने उसे एमवाय अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान सुनील की मौत हो गई। अस्पताल ले जाते समय सुनील ने दोस्त को दिव्या से बात होने के बारे में बताया, जो लिव इन में रह रही थी और दो माह पहले विवाद के चलते छोड़कर चली गई थी। संयोगितागंज पुलिस ने शव पोस्टमार्ट्म के लिए भिजवा दिया है। वहीं मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि सुनील अपने भाई के ऑफिस में पार्सल डिलेवरी का काम करता था। उसने अस्पताल जाते हुए दोस्त विकास को महिला दिव्या के बारे में बताया था। विकास ने बताया कि सुनील की नजदीकी तलाकशुदा महिला दिव्या से बढ़ी और वे लिव इन में रहने लगे। सुनील ने गृहस्थी का पूरा सामान खरीदा और परिवार से अलग महिला के साथ रहने लगा था। दो माह पहले सुनील और दिव्या के बीच कहासुनी हुई और दिव्या उसे छोड़कर चली गई। तब से सुनील तनाव में रहने लगा। सोमवार को भी सुनील ने दिव्या से फोन पर बात की और मैसेज किया था।

परिवार में कहासुनी के चलते जहर खाया

सिमरोल के दातोदा में रहने वाले हाट बाजार व्यापारी 25 वर्षीय नारायण पिता मनसुख लाल कसेरा ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। परिवार में कहासुनी के चलते उसने यह कदम उठाया। उसका भाई गोलू उसे उपचार के लिए एमवाय लेकर पहुंचा, जहां उसकी मौत हो गई। सोमवार शाम नारायण ने जहर खाया था। उसे नजदीक में स्थित दो निजी अस्पताल लेकर गए। जहां से डॉक्टरों ने उसे एमवाय अस्पताल भेज दिया। यहां उसकी मौत हो गई। दोस्तों के मुताबिक परिवार में किसी बात को लेकर आपसी कहासुनी हुई थी। इसके बाद नारायण की मां ने उसकी पत्नी को मायके भेज दिया। नारायण की शादी को करीब 4 साल हो गए। वह हाट बाजार में व्यापार करता था। पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है।

साइबर अपराधियों के खिलाफ आईपीएस राजेश दंडोतिया का अनोखा अभियान जारी

कानूनी कार्रवाई के साथ साइबर जागरूकता अभियान में भी सक्रिय भागीदारी

इंदौर। बढ़ते साइबर अपराध और डिजिटल धोखाधड़ी की घटनाओं के बीच, कानून प्रवर्तन एजेंसियां डिजिटल सुरक्षा को लेकर सक्रिय हुई हैं। इंदौर में तैनात अपर पुलिस उपायुक्त (एडीसीपी), क्राइम ब्रांच के रूप में कार्यरत राजेश दंडोतिया इस दिशा में एक प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं। दंडोतिया ने इंदौर में एडीसीपी बनते ही साइबर अपराध पर नकेल कसनी शुरू कर दी। उन्होंने साइबर सुरक्षा को लेकर ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में 900 से अधिक जागरूकता अभियान चलाए। 10 अगस्त 2023 को उन्होंने इंदौर क्राइम ब्रांच के एडीसीपी पद का कार्यभार ग्रहण किया। यह वो समय था, जब इंदौर जैसे तेजी से डिजिटलीकरण की ओर बढ़ते शहर में साइबर अपराध एक गंभीर चुनौती बन चुका था। इस अवधि में उन्होंने कई महत्वपूर्ण साइबर अपराध मामलों की निगरानी की, जिनमें दिल्ली से संचालित एक तथाकथित 'डिजिटल अरेस्ट' घोटाले का खुलासा भी शामिल है। इस ऑपरेशन के तहत देश के विभिन्न राज्यों से गिरफ्तारी की गई, जिससे अनेक संभावित पीड़ितों को आर्थिक नुकसान से बचाया जा सका। कानूनी कार्रवाई के साथ-साथ दंडोतिया ने साइबर जागरूकता अभियान में भी सक्रिय भागीदारी की। आधिकारिक आँकड़ों के अनुसार, उन्होंने प्रदेश के विभिन्न जिलों में 900 से अधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए, जिनमें आम नागरिकों को ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचने के उपायों की जानकारी दी गई। ये कार्यक्रम शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ ग्रामीण अंचलों में भी आयोजित किए गए, जिससे साइबर सुरक्षा की जानकारी व्यापक स्तर पर पहुँची।

'साइबर रक्षक' पुस्तक लिखी- वर्ष 2025 में उन्होंने 'साइबर रक्षक' नाम की एक पुस्तक लिखी, जिसका प्रकाशन महागाथा द्वारा किया गया। यह पुस्तक साइबर अपराधों की प्रकृति, जैसे कि फिशिंग, मिस्ड कॉल स्कैम, यूएसबी मालवेयर और पहचान की चोरी पर आधारित है। डिजिटल सुरक्षा के व्यावहारिक उपायों को सरल भाषा में प्रस्तुत करती है। यह पुस्तक कई सरकारी और सामुदायिक कार्यक्रमों में संदर्भ सामग्री के रूप में उपयोग में लाई जा रही है।

साइकोलॉजी और मेंटल अरेस्ट के मामले- अपनी तरह की पहली पुस्तक में क्राइम ब्रांच ने तमाम केसों को समझते हुए ह्यूमन साइकोलॉजी को दर्शाया गया है। इसमें अपराध के दौरान व्यक्ति की स्थिति क्या रहती है और वह खुद को वारदात के समय किस तरह असहाय पाता है। ऐसी स्थिति में पुलिस को कैसे सूचित किया जा सकता है और पुलिस क्या मदद कर सकती है। इसे लेकर भी पुस्तक में विस्तृत वर्णन है। इसके अलावा सीनियर सिटीजन और घरों में रहने वाले बुजुर्गों को ठग किस तरह से मेंटली अरेस्ट करते हैं, इसके भी तमाम कैसे पुस्तक में सार्वजनिक किए गए। वहीं 100 से ज्यादा मामलों में पुलिस की केस स्टडी और और अपराधियों को चिन्हित करने के साथ उन्हें सजा दिलवाने की भी पूरी दास्तान मौजूद है, जो काफी रोचक है।

पत्नी नीति भी डीएसपी पद पर कार्यरत- उनके प्रयासों को मीडिया में भी स्थान मिला। विशेषकर साइबर अपराध नियंत्रण में तकनीक और पारंपरिक पुलिसिंग के समन्वय को लेकर उनकी पत्नी नीति राजेश दंडोतिया भी मध्य प्रदेश पुलिस में उप पुलिस अधीक्षक (डीएसपी) के पद पर कार्यरत हैं। दोनों सार्वजनिक सुरक्षा के क्षेत्र में एक सक्रिय जोड़ी मानी जाती है। राजेश दंडोतिया का जन्म 13 जून 1975 को एक कृषक परिवार में हुआ। उन्होंने 2002 में भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) में प्रवेश किया। उनकी शुरुआती नियुक्ति सिवनी में हुई, जहां उन्होंने 2005 से कार्यभार संभालते हुए अपराध जांच और जन सुरक्षा से जुड़ा अनुभव प्राप्त किया। जैसे-जैसे भारत डिजिटल भविष्य की ओर बढ़ रहा है, साइबर अपराध से निपटने के लिए ऐसे अधिकारियों की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है, जो प्रवर्तन के साथ-साथ जन जागरूकता में भी अग्रणी भूमिका निभा सकें। राजेश दंडोतिया का कार्य एक ऐसे पुलिस मॉडल का उदाहरण है जो सक्रिय, जागरूक और समुदाय से जुड़ा हुआ है।

संपादकीय

उपचुनाव नतीजों के संकेत

उपचुनावों में आम तौर पर सत्ता पक्ष ही जीतता है और इनसे सत्ता के वजूद पर कोई खास फरक नहीं पड़ता सिवाय इसके कि ये उपचुनाव जनमत नापने का बैरोमीटर जरूर होते हैं। हाल में चार राज्यों की पांच विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव इस मायने में उल्लेखनीय रहे कि जहां गुजरात में दो सीटों में से एक सीट विसावदर आम आदमी पार्टी जीतने में कामयाब रही तो केरल में नीलाबुंर सीट कर कांग्रेस ने सत्तारूढ़ माकपा को झटका दिया है। गुजरात में विसावदर के साथ कड़ी सीट पर भी उपचुनाव हुए थे, जिसे भाजपा के राजेन्द्र चावड़ा ने जीत लिया। चारों राज्यों में हुए उपचुनाव में सबसे ज़्यादा चर्चा गुजरात की रही। यहां आम आदमी पार्टी ने विसावदर सीट बरक़रार रखी, जो एक समय गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री और बीजेपी नेता केशुभाई पटेल का गढ़ रही थी। बीते कुछ सालों से यह सीट बीजेपी के लिए चुनौती बनी हुई है। खास बात यह कि गुजरात में कांग्रेस को दोनो ही सीटों पर निराशा हाथ लगी। यह बात इसलिए अहम है कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस अपने संगठन सृजन अभियान में गुजरात को ही मॉडल बनाकर उसे मप्र सहित दूसरे राज्यों में लागू कर रही है। विसावदर में कांग्रेस उम्मीदवार को सिर्फ़ 5501 वोट मिले, जबकि कड़ी में कांग्रेस 39 हजार452 वोटों से हारी। हार के बाद कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष शक्तिसिंह गोहिल ने इस्तीफ़ा दे दिया है। विसावदर में आम आदमी पार्टी के गोपाल इटालिया ने बीजेपी उम्मीदवार किरीट पटेल को 17 हज़ार से ज़्यादा वोटों से हराया। इससे बीजेपी का कई साल बाद विसावदर जीतने का सपना टूट गया। गौरतलब है कि बीजेपी ने आख़िरी बार इस सीट को 2007 के विधानसभा चुनाव में जीता था। तब यहां से बीजेपी के कनु भालाला जीते थी। महत्वपूर्ण बात यह है कि पूर्व में यह सीट बीजेपी के दिग्गज नेता केशु भाई पटेल की थी। केशुभाई यहां से 1995 और 1998 में बीजेपी के केशुभाई पटेल यहां से जीते थे। 2014 के उपचुनाव और 2017 में कांग्रेस ने इस सीट पर जीत दर्ज की। बाद में उन्होंने गुजरात परिवर्तन पार्टी बनाई और उसे भी छोड़कर बीजेपी में लौट आए। 2022 के चुनाव में भूपतभाई भायानी आम आदमी पार्टी के टिकट पर जीते, लेकिन लगभग दो साल बाद बीजेपी में शामिल होने के बाद यह सीट खाली हो गई थी। अब गोपाल इटालिया ने यहां से जीत दर्ज की है। विसावदर से आप के नेता गोपाल इटालिया का जीतना कांग्रेस के लिए खतरे की घंटी है। क्योंकि आप गुजरात में कांग्रेस में सत्ता की वापसी के सपने को चूर चूर किए दे रही है। गोपाल की यह जीत उनके सघन जनसंपर्क का परिणाम है। हालांकि 2022 में वो चुनाव हार गए थे। गुजरात के अलावा पंजाब के उपचुनाव पर भी लोगों की नज़रें टिकी थीं। संजीव अरोड़ा आप के राज्यसभा सांसद हैं। अब संजीव अरोड़ा चुनाव जीत चुके हैं. उन्होंने कांग्रेस के भरत भूषण को 10 हजार 637 वोटों से हराया था। ऐसे में अरविंद केजरीवाल के राज्यसभा पहुंचने की चर्चा गर्म हो गई है। हालांकि, केजरीवाल ने इस तरह की किसी भी संभावना से इनकार किया है। उधर पश्चिम बंगाल में कालीगंज और केरल की नीलांबुर सीट पर उपचुनाव हुआ था। यहां टीएमसी की अलीफ़ा अहमद ने बीजेपी के आशीष घोष को 50 हज़ार से ज़्यादा मतों के अंतर से हराकर अपनी सीट कायम रखी है। वायनाड लोकसभा सीट के अंतर्गत आने वाली केरल की निलंबूर विधानसभा सीट पर हुए कड़े मुक़ाबले में कांग्रेस के आर्यदान शौकत ने कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के एम. स्वराज को 11 हज़ार से अधिक वोटों से हराया है।

नजरिया

डॉ.संजीव कुमार

लेखक स्तंभकार हैं।

भारतीय शिक्षा का और कितना अवमूल्यन?

प्राथमिक शिक्षा किसी भी देश (बच्चे) की मजबूत बुनियाद होती है और हमने इस बुनियाद को निजी स्कूलों के हाथों में सौंप दिया है.ये निजी विद्यालय अभिभावकों से मनमानी पैसे ऐंठ रहे है पर इन्हें नियंत्रित करने का हमारे पास को उपाय नहीं है. भारत की बढ़ती आबादी के कारण जब हम अपने बच्चों को सरकारी स्कूलों में उच्च व्यवस्था नहीं दे पाए तब व्यवसायी और पूंजीपतियों ने बेरोजगारों के सहारे इन स्कूलों का व्यापार शुरू कर दिया. एक तरफ हमने सरकारी स्कूलों कों योजनाबद्ध तरीके से खस्ता हाल किया तो दूसरी तरफ निजी स्कूलों को धड़ाधड़ खोलने के दरवाजे भी खोल दिए. इन निजी स्कूलों ने अपने स्कूलों में लड़कियों के लिए शौचालय की व्यवस्था की, बच्चों के बैठने के लिए टेबल और पंखे लगवाएं उन्हें यूनिफॉर्म में सजाकर अंग्रेजी शिक्षा परोसी और वे सफल हो गए.

हरियाणा बोर्ड परीक्षा के परिणाम ने इस साल पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींचा था. इस बार के सरकारी बोर्ड परीक्षा परिणाम में कुल 18 स्कूलों से 12वीं का एक भी छात्र सफल नहीं हुआ था पर दुर्भाग्य की इस पर देश में कहीं भी कोई बड़ी चर्चा नहीं हुई. हो भी कैसे सकती है जो देश पिछले कुछ सालों से धार्मिक उन्माद और सांप्रदायिकता में झुलस रहा हो जहां की जनता आस्था के नाम पर एक दूसरे का घर तोड़ रही हो उन्हें भला शिक्षा से क्या लेना देना?

यह जो 18 स्कूलों के विद्यार्थी असफल हुए हैं इनके लिए मैं इन्हें जरा सा भी दोषी नहीं ठहराऊंगा क्योंकि इसके बीज हम कई वर्षों से रोपते आ रहे हैं जिनके वृक्ष आज विशाल हो चुके हैं. भारतीय शिक्षा को हमने तीन स्तर पर बर्बाद करने का कार्य किया है पहला इसका व्यवसायीकरण करके , दूसरा युवाओं को धर्मांध बनाकर और तीसरा इन्हें स्मार्ट फोन देकर. मैं भारतीय शिक्षा को तीन हिस्सों में बांट कर देखता हूं. पहले प्राइमरी शिक्षा (1-8तक) दूसरा माध्यमिक शिक्षा(8-12)तक और आखिरी उच्च शिक्षा.

प्राथमिक शिक्षा किसी भी देश(बच्चे) की मजबूत बुनियाद होती है और हमने इस बुनियाद को निजी स्कूलों के हाथों में सौंप दिया है.ये निजी विद्यालय अभिभावकों से मनमानी पैसे ऐंठ रहे है पर इन्हें नियंत्रित करने का हमारे पास को उपाय नहीं है . भारत की बढ़ती आबादी के कारण जब हम अपने बच्चों को सरकारी स्कूलों में उच्च व्यवस्था नहीं दे पाए तब व्यवसायी और पूंजीपतियों ने बेरोजगारों के सहारे इन स्कूलों का व्यापार शुरू कर दिया. एक तरफ हमने सरकारी स्कूलों कों योजनाबद्ध तरीके से खस्ता हाल किया तो दूसरी तरफ निजी स्कूलों को धड़ाधड़ खोलने के दरवाजे भी खोल दिए.इन निजी स्कूलों ने अपने स्कूलों में लड़कियों के लिए शौचालय की व्यवस्था की, बच्चों के बैठने के लिए टेबल और पंखे लगवाएं उन्हें यूनिफॉर्म में सजाकर अंग्रेजी शिक्षा परोसी और वे सफल हो गए. दूसरी तरफ प्राथमिक शिक्षा में ना ही शौचालय की व्यवस्था की गई और ना ही बच्चों के बैठने के लिए उचित व्यवस्था, यहां तक की बुनियादी जरूरतों में शामिल पीने का पानी और पंखा तक भी हम नहीं दे सके. उसके साथ लगातार इन स्कूलों में अध्यापकों की भर्ती भी हमने रोके रखा (मध्य प्रदेश में आज भी 1275 स्कूलों में एक भी शिक्षक नहीं है. देश में आज लगभग 11 लाख शिक्षकों की कमी है) इन्हीं सब खामियों के कारण प्राइवेट स्कूलों का व्यवसाय धड़ल्ले से विकास कर रहा है और सरकारी स्कूलों पर सरकार की गाज गिर रही है. ताज़ा मामला उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा लगभग 5000 स्कूलों को बंद करने या फिर उन्हें कंपोजिट करने की घोषणा हमारे सामने हैं .आज हमारे देश में दो तरह की शिक्षा बच्चों को दी जा रही है, एक तरफ है प्राइवेट के वें स्कूल जिसमें 10 प्रतिशत ही ऐसे स्कूल है जहां गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल रही है और 90 प्रतिशत ऐसे स्कूल है जो अंग्रेजी के नाम पर लोगों की जेब काट रहे हैं. दूसरी तरह वह सरकारी विद्यालय है जहाँ दलित बच्चों को आज भी अछूत समझा जाता है ,उन्हें अलग पंक्ति में बैठाया जाता है. इन विद्यालयों में शिक्षकों की कमी तो एक समस्या है ही लेकिन जहाँ है भी वहां समय से बच्चों को पढ़ा नहीं रहे है. इन विद्यालयों में वैसे ही विद्यार्थोयों की संख्या बहुत कम है फिर भी अच्छी तनख्वाह के बावजूद ये शिक्षक उन्हें उचित शिक्षा नहीं दे पा रहे है जिसके लिए इन अध्यापकों को भी अपने गिरेबान में झांकना चाहिए .

बात करें माध्यमिक शिक्षा की तों यह एक विद्यार्थी के जीवन की रीढ़ होती है और यह रीढ़ स्मार्टफोन, रील, डिजिटल शिक्षा,तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों में उलझकर कमजोर हो चुकी हैं. प्राइवेट स्कूलों के 90 प्रतिशत वाले परिणाम ने अभिभावकों को पागल बना रखा है उन्हें लगता है कि उनका बच्चा 90 प्रतिशत प्राप्त कर रहा है तो बहुत ही काबिल है. दरअसल इन निजी स्कूलों, कॉलेजों अथवा विश्वविद्यालयों में आज इसलिए अधिकतम अंक बच्चों को दिए जाते हैं ताकि अभिभावक प्रसन्न रहे और विद्यार्थी भी संतुष्ट रहे जिससे उनके संस्थानों में एडमिशन की कतार लगी रहे. बढती प्रतियोगिता अभिभावकों के दिलों दिमाग पर छाया हुआ है, उन्हें ऐसा लगता है कि इन विद्यालयों से निकलकर उनका बच्चा समाज में फर्राटेदार अंग्रेजी बोलेगा और कामयाब होगा परंतु सच्चाई इससे बहुत दूर है.

रही बात उच्च शिक्षा की तों आज दुनिया के 200 विश्वविद्यालयों में भी हमारे विश्वविद्यालय का स्थान नहीं है. एकेडमिक फ्रीडम इंडेक्स 2023 के अनुसार शिक्षा के गुणवत्ता में हम रवांडा, केन्या, भूटान, पाकिस्तान और नेपाल जैसे देश के साथ खड़े हैं. यह इंडेक्स विश्वविद्यालय में शोध की गुणवत्ता, ज्ञान प्रसार करने की आजादी,कैंपस में घुलमिलकर चर्चा की आजादी, शिक्षक की निजता का सम्मान जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं के आधार पर बनाई जाती है. विगत एक दशक से जिस तरह से भारत के महत्वपूर्ण शिक्षा संस्थानों पर सरकार के हमले हुए हैं, वहां के शिक्षकों पर पाबंदी लगाई गई है यह किसी से छुपा नहीं. निजी विश्वविद्यालयों में तो शिक्षकों के केबिन में सीसी कैमरे तक लगाए जाते हैं जो कि उनकी निजता का अपमान है.

दूसरी तरफ सरकार लगातार उच्च शिक्षण संस्थानों में शिक्षकों के पद को रिक्त रखे हुए हैं. आज केंद्रीय विश्वविद्यालय में 18940 प्रोफेसरों के पद रिक्त है जिनमें सबसे ज्यादा अनुसूचित जातियों एवं पिछड़ी जातियों के पद है. अनुसूचित जातियों के पद एनएफएस के नाम पर रिक्त रखा जा रहा है तो पिछड़ी जातियों को उच्च शिक्षा में पहुंचने से रोकने के लिए. अगर कहीं भर्ती भी हो रही है तो उसमें भी वे लोग पहुंच रहे हैं जो सत्ता संतुलन के लोग हैं जो आए दिन फर्जी मामलों में फँसते रहते हैं. अभी ताजा मामला हरियाणा में 292 प्रोफेसर की फर्जी डिग्री और बिहार के आर्यभट्ट विश्वविद्यालय में कॉन्ट्रैक्ट पर शिक्षकों से नियुक्ति के नाम पर घूस के मामले से आप स्थिति समझ सकते हैं. उच्च शिक्षण संस्थानों में छात्रवृत्ति खत्म की जा रही है, डिग्री और नियमों पर सरकार कभी भी सुनिश्चित नहीं हो पाई है. नियुक्तियां निकलती है तो भी पद स्वीकृति से लेकर नियुक्ति तक भ्रष्टाचार में सनी हुई होती है. आज विश्वविद्यालयों में कुलपति से लेकर प्रोफेसर की नियुक्ति तक के पद खरीदे और बेचे जा रहे हैं यह जग जाहिर है. ऐसी स्थिति में दुनिया के साथ ताल मिलाकर चलना भारत के लिए भला कैसे संभव होगा ? आज शिक्षा इतनी महंगी हो चुकी है कि एक मजदुर अपने बच्चों के लिए अच्छी शिक्षा की कल्पना भी नहीं कर सकता. निजी स्कूल जोंक की तरह पैसा चूस रहे है तो सरकारी विद्यालय दीमक की तरह गरीबों का भविष्य चाट रहे है,इन दो रास्तों से शिक्षा हासिल करने के बाद आखिर भारत में एकता भला कब तक साँस ले सकती है?

आपातकाल के 50 बरस

धर्मेन्द्र सिंह लोधी

लेखक मध्यप्रदेश के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हैं।

स्वर्णिम लोकतंत्र का काला अध्याय

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और संविधान लोकतंत्र का रक्षक, क्योंकि संविधान लोकतांत्रिक मूल्यों, मौलिक अधिकारों और नागरिक स्वतंत्रता की आधारशिला है, किंतु 25 जून 1975 से 31 मार्च 1977 तक का कालखंड ऐसा था, जब देश में सत्ताधारी नेताओं द्वारा इन सभी मूल्यों का गला घोंटा गया। संवैधानिक शब्दावली में इस कालखंड को आपातकाल कहा गया परंतु इतिहास में इसे 'स्वर्णिम लोकतंत्र के काले अध्याय' के रूप में जाना जाता है। इस अवधि में तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए न केवल संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग किया, बल्कि नागरिक स्वतंत्रता और मौलिक अधिकारों को स्थगित करके भारतीय लोकतंत्र की आत्मा पर भी कुठाराघात किया।

1971 में श्रीमती इंदिरा गांधी ने 'गरीबी हटाओ' के नारे पर भारी बहुमत से चुनाव अवश्य जीता, लेकिन 1975 में इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने रायबरेली से उनके निर्वाचन अवैध घोषित कर दिया और 6 वर्षों तक चुनाव लड़ने के लिये भी अयोग्य ठहरा दिया। उच्च न्यायालय के इस निर्णय ने श्रीमती इंदिरा गांधी के पद को खतरे में डाल दिया। अपनी सत्ता को बचाने की लाचारी और राजनीतिक वर्चस्व की भूख ने लोकतांत्रिक मूल्यों को ध्वस्त करते हुए श्रीमती इंदिरा गांधी ने देश में आपातकाल लागू कर दिया। आपातकाल का यह निर्णय किसी राष्ट्रीय संकट के कारण नहीं बल्कि श्रीमती गांधी की सत्ता लोलुपता से प्रेरित था। संविधान के अनुच्छेद 352 के तहत आंतरिक अशांति का बहाना बनाकर उन्होंने देश को आपातकाल के अंधकार में धकेल दिया।

संवैधानिक प्रावधानों के तहत देश में आपातकाल मंत्रिमंडल की अनुशंसा पर राष्ट्रपति द्वारा लागू किया जाना चाहिए, परंतु श्रीमती गांधी ने ऐसा नहीं किया। उन्होंने 26 जून 1975 को सुबह 6:00 केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक बुलाकर मंत्रियों को बताया कि मध्य रात्रि के बाद से देश में आपातकाल लगा दिया गया है। कुल मिलाकर देश में आपातकाल लागू करने के बाद और देश को यह सूचना देने से पहले श्रीमती गांधी ने मंत्रिमंडल की महज औपचारिक सहमति प्राप्त की, जो उनकी तानाशाही को दर्शाता है। आपातकाल लागू करते ही इंदिरा गांधी की तानाशाही शुरू हो गई। उन्होंने देश में नागरिक स्वतंत्रता और मौलिक अधिकारों को स्थगित कर दिया। श्रीमती गांधी द्वारा राष्ट्रवादी विचारधारा को कुचलने का कार्य किया। लोकतंत्र को बचाने के लिये प्रतिरोध करने वालों के विरूद्ध आपराधिक प्रकरण दर्ज किये गये। जनसंघ और अन्य विपक्षी दलों से जुड़े नेताओं को गिरफ्तार कर 'मीसा' अर्थात् आंतरिक सुरक्षा कानून के तहत जेल में डाल दिया गया जयप्रकाश नारायण, मोरारजी देसाई, अटल बिहारी वाजपेई और लालकृष्ण आडवाणी जैसे अनेक वरिष्ठ नेताओं को जेल में बंद कर दिया गया। एक अनुमान के मुताबिक बिना सुनवाई के लगभग 01 लाख 40 हजार से अधिक लोगों को जेल में बंद कर दिया गया। लोकतंत्र की सबसे जरूरी विशेषता 'वैकल्पिक विचार' को श्रीमती इंदिरा गांधी ने राजद्रोह में बदल दिया।

आपातकाल में इंदिरा गांधी ने न्यायपालिका जो लोकतंत्र की रक्षा की अंतिम संस्था है, उसे भी झुकने पर मजबूर कर दिया। न्यायपालिका की स्वायत्तता को छीनने का प्रयास किया गया। सत्ता की आलोचना करने वाले अखबारों को सेंसर कर दिया गया। अनेक समाचार पत्रों के छपने पर रोक लगा दी गई। यह प्रेस की स्वतंत्रता का सबसे भयावह क्षण था। संजय गांधी के मार्गदर्शन में चलाए जाने वाला 'नसबंदी अभियान' सरकारी आतंक का प्रतीक बन गया। व्यक्तिगत सत्ता स्थायित्व के लिए संविधान में प्रजातंत्र विरोधी संशोधन किए गए। न्यायपालिका की शक्ति को सीमित करने की कोशिश की गई। यह वास्तव में भारत के लोकतांत्रिक संतुलन को बिगाड़ने की एक बड़ी साजिश थी । आपातकाल के दौरान कांग्रेस ने 'इंदिरा इज इण्डिया एंड इंडिया इज इंदिरा' जैसे नारों को प्रसारित किया जो इंदिरा गांधी की निरंकुशता, तानाशाही और संविधान विरोधी मानसिकता को दर्शाते हैं। आपातकाल के दौरान प्रसिद्ध कवि जी.एस. शिवरूद्रप्पा ने 'इस देश में' नामक एक कविता लिखी-

इस देश में
वीर पूजा ,परिवार पूजा
खत्म होनी चाहिए,
लेकिन मेरी कुलदेवी की तरफ कोई आंख न उठाए, इस देश में
हर एक को अपना मुंह बंद रखना चाहिए
लेकिन उन्हें मेरे शब्द सुनने के लिए
अपने कान खुले रखना चाहिए

यह कविता देश में इंदिरा गांधी की तानाशाही और लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक मूल्यों पर किए गए वज्रपात को प्रदर्शित करती है।

आजकल कुछ विपक्षी नेता संविधान की प्रतियां हाथों में लेकर संसद से सड़कों तक 'संविधान खतरे में है' और 'लोकतंत्र खतरे में है' के नारे लगा रहे हैं। राजनीतिक स्वार्थ के लिए संविधान और लोकतंत्र को खतरे में बताने वाले इन नेताओं को थोड़ा अतीत में झांकना चाहिए। राहुल गांधी को पीछे जाकर अपनी दादी इंदिरा के काले कारनामों को देखना चाहिए, कि किस तरह उनकी सत्ता की लालसा ने देश में लोकतांत्रिक और संवैधानिक मूल्यों की हत्या की थी।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज देश विकास और प्रगति के नए आयाम को स्पर्श कर रहा है। दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। समावेशी विकास में लोकतंत्र की पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति तक विकास को प्रवाहित किया है। लोकतांत्रिक मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए मोदी सरकार द्वारा जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री आवास, उज्ज्वला और जनधन जैसी योजनाओं को धरातल पर लागू किया गया है। तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए संवैधानिक प्रावधानों को स्थगित कर दिया था, वहीं प्रधानमंत्री मोदी ने संवैधानिक मूल्यों और प्रावधानों के अनुक्रम में धारा 370 को हटाने, जीएसटी लागू करने जैसे राष्ट्रीय हित के कार्यों को मूल रूप प्रदान किया है। आपातकाल लोकतांत्रिक इतिहास का एक ऐसा काला अध्याय है, जो हमें चेतावनी देता है, कि सत्ता का केंद्रीकरण किस हद तक लोक स्वतंत्रता को कुचल सकता है।

आपातकाल इस बात की चेतावनी है, कि जब सत्ता की भूख विवेक पर हावी हो जाती है, तब लोकतंत्र खोखला हो जाता है। इंदिरा गांधी द्वारा लागू किया गया आपातकाल उनके राजनीतिक स्वार्थ और आत्ममुग्धता का प्रतीक था। वह एक समय था जब श्रीमती इंदिरा गांधी ने देश की आत्मा को कुचल कर सत्ता की कुर्सी को बचाया था। इंदिरा गांधी ने आपातकाल लागू करके देश की जनता पर जो अत्याचार किया, उसका उत्तर जनता ने 1977 के चुनाव में कांग्रेस को सत्ता से बाहर करके दिया। जिससे यह स्पष्ट है कि आपातकाल भारत के स्वर्णिम लोकतंत्र में न केवल एक काला अध्याय है, बल्कि सत्ता के मद में चूर श्रीमती इंदिरा गांधी की तानाशाही का भी प्रतीक है।

नोबल के लिए उतावले ट्रम्प

सामयिक

कुलदीप सिंह भाटी

स्वीडन के प्रसिद्ध नोबल परिवार में जन्मे व्यवसायी और प्रखर विद्वता के धनी वैज्ञानिक अल्फ्रेड नोबल की स्मृति में प्रति वर्ष छह नोबल पुरस्कार दिये जाते हैं। रसायन, भौतिकी, चिकित्सा, अर्थशास्त्र साहित्य संबंधी पांच क्षेत्रों में विशेष योगदान के साथ ही वैश्विक शांति, अंतरराष्ट्रीय सम्बन्धों, निरस्त्रीकरण और राष्ट्रों के बीच आपसी सद्भाव को बढ़ाने के प्रयासों के लिए शांति का नोबल पुरस्कार दिया जाता है।

इस बार पाकिस्तान द्वारा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रम्प को नोबल के शांति पुरस्कार के लिए नामित किया गया है। इसके पीछे पाकिस्तानी सरकार ने भारत-पाक के बीच हालिया तनाव के बाद सीमा पर उपजे संघर्ष को रुकवाने में ट्रम्प की मध्यस्थता को मुख्य कारण बताया है। हालांकि दस मई को हुए संघर्ष-विराम की घोषणा ट्रम्प ने अपने ट्विटर एकाउंट पर ही सबसे पहले की थी किन्तु भारत ने शुरू से ही इसमें किसी मध्यस्थ की भूमिका को स्वीकार नहीं करने का दावा किया है। भारत ने अपनी शर्तों पर ही संघर्ष-विराम किया है। सिंधु जल समझौते के रद्द करने के अपने निर्णय को भारत सरकार द्वारा वापस न लेना या पुनर्विचार न करना भारत की इस मामले में मजबूती का महत्वपूर्ण साक्ष्य है। फिर भी ट्रम्प द्वारा अनावश्यक रूप से इस तनाव समाप्ति का क्रेडिट लेने की बार-बार कोशिश की जा रही है। इतना ही नहीं इसके बाद ट्रम्प पुनः कश्मीर मुद्दे पर अमरीकी-मध्यस्थता के प्रस्ताव को भारत के अस्वीकार करने पर अपनी किरकिरी करवा चुके हैं। हाल के दिनों में ऐसे कई मामले आये हैं, जिनसे ट्रम्प ने अपनी और व्हाइट हाउस के निर्णयों की गरिमा को कम किया है। अमरीकी टैरिफ वॉर पर भी वे कई बार यू-टर्न लेकर अपनी कमजोरी जाहिर कर चुके हैं।

पाकिस्तान द्वारा नोबल के शांति पुरस्कार के लिए ट्रम्प के नामांकन के निर्णय की ख़बर उनकी और पाकिस्तानी सेना प्रमुख असीम मुनीर की मुलाकात के बाद आई है। इसके पीछे भले पाकिस्तानी सरकार ने जो कारण गिनाए हैं, पर सच यह है कि न केवल वैश्विक स्तर पर बल्कि पाकिस्तान के बुद्धिजीवी भी उनकी सरकार के इस निर्णय की आलोचना कर विरोध प्रकट कर रहे हैं। इतना ही नहीं मई में दोहा, कतर में दिए अपने भाषण में और इसके बाद अजीम मुनीर से मुलाकात में जारी वक्तव्य में भी ट्रम्प ने सीधे मध्यस्थता करवाने के अपने दावे से यू-टर्न लिया हैं। स्वयं ट्रम्प भले ही सोशल मीडिया का सहारा लेकर शांति के नोबल के लिए माहौल बनाने की कोशिश कर रहे हो, किन्तु सच यह है कि यह पुरस्कार केवल उनकी एक महत्वाकांक्षा व ज़िद मात्र है।

गौरतलब है कि अब तक चार अमेरिकी राष्टपति थियोडोर रूजवेल्ट, वुडरो विल्सन, जिमी कार्टर और बराक ओबामा शांति के लिए नोबल पुरस्कार प्राप्त कर चुके हैं। नोबल का शांति पुरस्कार पाने की लालसा कहीं न कहीं ट्रम्प द्वारा अपनी गिरती हुई साख को बचाने और इतिहास में अपने को एक बेहतरीन राष्ट्राध्यक्ष के रूप में दर्ज करवाने का प्रयास हो सकता है। ओबामा और ट्रम्प के आपसी रिश्ते भी राजनीतिक स्तर पर कुछ अच्छे नहीं रहे हैं। विश्व पटल पर यू-टर्न वाले यू.एस. ट्रम्प की छवि लेकर वह मन में कहीं न कहीं अवश्य चिंतित हैं इसलिए नोबल शांति पुरस्कार के रूप में वह विरासत में ऐसी उपलब्धि छोड़कर जाना चाहते है, ताकि भविष्य में जब कभी उनका मूल्यांकन हो, तो उनको ओबामा से कमतर न आंका जा सके। अमेरिकी संघीय संविधान में कोई भी व्यक्ति केवल दो बार ही राष्टपति बन सकता है और ट्रम्प का यह दूसरा व अंतिम कार्यकाल है। दूसरे कार्यकाल में अभी तक उन्होंने ऐसा कोई उल्लेखनीय कार्य भी नहीं किया जिससे उनका कार्यकाल अमरीकी इतिहास में दर्ज हो सके। इस शक्तिशाली पद पर रहने का यह आखिरी अवसर है। अतः इस अवसर को भुनाने के लिए भी ट्रम्प नोबल के लिए उतावले दिख रहे हैं। अभी तक ट्रम्प के प्रयास केवल नोबल पाने की उनकी जिद ही लग रही है। कयास तो यह भी लगाया जा सकता है कि अपने सामरिक हितों की रक्षा व व्हाइट हाउस से समर्थन तथा वैश्विक फंड की प्राप्ति में अमरीकी समर्थन पाने के लिए यह पाकिस्तानी पैंतरा भी हो सकता है। कुछ बुद्धिजीवी पाकिस्तान प्रायोजित इस निर्णय को ट्रम्प के इशारे से भी होने का अनुमान लगा रहे हैं।

हालांकि पाकिस्तानी सरकार के इस निर्णय से नोबल समिति की कितनी सहमति व सम्मति है? यह काल के गर्भ में है और इसका निर्णय भविष्य ही करेगा। यह भी स्पष्ट है कि नोबल समिति कोई ऐसा निर्णय नहीं लेगी, जिससे इस प्रतिष्ठित पुरस्कार की साख खण्डित हो।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं 662, साई कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।
प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
स्थानीय संपादक
हेमंत पाल
प्रबंध संपादक
रमेश रंजन त्रिपाठी
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

जवाहर चौधरी

लेखक व्यंग्यकार हैं

दोस्ती में फट लिया डूडू

कहीं एक बड़ा देश है चिकामिका । उसके मुखिया का नाम डूडू है । लोग कहते हैं डूडू समझदार है और समझदार नहीं भी। वह आँखें बंद करके हँसता है और मुँह बंद करके आँखों से अंगार बरसाता है। वह वह सूट टाई पहनता है लेकिन दुनिया को नंगा दिखता है। वह ताल ठोक कर दावा करता है और बाद में मुकर जाता है । वो जो है वह नहीं है, और जो नहीं है वो है। लोगों का भी ऐसा ही है, वे उससे नफरत नहीं करते हैं और करते भी हैं । वह जिसका दोस्त होता है उसी का दुश्मन भी हो जाता है। वह डिनर पर अपने साथ पालतू कुत्तों को खिलाता है और साथ में किसी विदेशी मेहमान को भी बैठा लेता है। उसे हिंसा पसंद है और शांति का नोबेल भी। वह मानता है कि बातचीत से शांति स्थापित हो जाती है लेकिन जो लोग ऐसा करना चाहते हैं उन्हें वह मूर्ख मानता है। समय बदल गया है सोच बदल गई है इसलिए वह समय और सोच के साथ चलना चाहता है। वह मानता है कि एक बड़ा बम डाल दो तो चौतरफा शांति हो जाती है। उसके बम शांति का संदेश लेकर आते हैं। वह चाहता है कि दुनिया वाले उसके बम को देखते रहें, शांति अंदर से पैदा हो जाएगी ।

बम गोदाम में शांत पड़े हैं लेकिन डूडू दुनियाभर में धमाके करता रहता है । उसकी चाल बम चाल है । टीवी पर दुनिया वाले जब बड़े से जहाज से उसे उतरते देखते हैं तो लगता है एटम बम उतर रहा है । अगर नोबल वाले जाग नहीं रहे हों तो वह कहीं भी फट सकता है । बहुत समय से उसका मन फटूँ फटूँ कर रहा था । एक देश ने कहा कि दोस्ती की खातिर सामने वाले देश की जमीन पर जा कर फट लो । बिना देर किये वह फट लिया । खबर आ रही है कि रेडियशन के कारण फटा हुआ बम ज्यादा खतरनाक होता है। डूडू मानता है कि पहले शक्ति आती है उसके बाद शांति । अगर नोबल देने वालों ने देर की तो वह पूरी दुनिया मे शांति कायम करने से पीछे नहीं हटेगा । डूडू किसी बात को दिल पर ले लेता है तो ठान लेता है। संयोग देखिए, यह जो बड़े-बड़े बम बना कर रखे हुए हैं उनकी एक्सपायरी डेट भी करीब आ रही है। डूडू को इस बात का अफसोस है कि वह सब बदल सकता है लेकिन किसी चीज की एक्सपायरी डेट नहीं। एक्सपायरी डेट एक बार तय हो गई तो फिर तय हो गई। बड़े आदमी को अपने बड़प्पन की रक्षा हर कीमत पर करना होती है। नोबल वाले इतना तो समझते होंगे । और अगर वे नहीं समझते हैं तो उन्हे कोई हक नहीं बनता है नोबल से खिलवाड़ करने का। जरूरी हो गया है कि वहाँ कुछ समझदार और 'शरीफ' लोगों को बैठया जाए। डूडू मानता है कि 'शरीफ' समझदार होते हैं। उसकी ख्वाहिश है कि जितनी जल्दी हो सके दुनिया भर में उसकी पूजा शुरू हो जानी चाहिए। डूडू के चर्च बनें, डूडू की चर्चा होती रहे। लोग मानें कि डूडू इंसान की पैदाइश नहीं है। वह अवतार है, जीवन मृत्यु से परे। डूडू को इंडिया बहुत पसंद है। यहां के लोग बहुत समझदार हैं, किसी भी ऐरे गैरे को पूजने लगते हैं। यहाँ लोग स्कूटर लाते हैं और सबसे पहले उसकी पूजा करते हैं, फिर वो तो डूडू है, फट सकता है। इधर वाले बड़े आराम से डूडूचालीसा का पाठ कर सकते हैं। डूडूकथा, डूडूभंडारा, डूडूभजन, क्या नहीं हो सकता है। एक नजर इधर भी है डूडू की।

अंतर्राष्ट्रीय नशा एवं मादक पदार्थ निषेध दिवस

योगेश कुमार गोयल

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

नशे का फैलता मकड़जाल, समाज की तबाही और हमारी चुप्पी

मादक पदार्थों का सेवन अब केवल व्यक्ति की निजी कमजोरी नहीं बल्कि मानवता के विरुद्ध सबसे बड़े अपराध के रूप में उभर रहा है। यह प्रवृत्ति केवल शहरों के क्लबों, पार्टियों और रेव-संस्कृति तक सीमित नहीं रही बल्कि अब भारत के दूरस्थ गांवों और कस्बों तक अपने पांव पसार चुकी है। ग्रामीण अंचलों में अफीम, चरस, गांजा और हेरोइन जैसे पारंपरिक मादक पदार्थों के साथ-साथ इंजेक्शन के जरिए लिए जाने वाले आधुनिक नशीले रसायनों का चलन भी खतरनाक रूप से बढ़ रहा है। सबसे चिंता की बात यह है कि अब यह सब कुछ हमारे सामाजिक ढांचे का अभिन्न अंग बनता जा रहा है, मानो जैसे यह कोई स्वाभाविक हिस्सा हो। वैसे यह समस्या केवल भारत तक ही सीमित नहीं है बल्कि दुनिया के अनेक देशों में नशीली दवाओं की अवैध तस्करी और खासकर युवाओं में नशीले पदार्थों के सेवन की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है।

नशीले पदार्थों की तस्करी पर प्रतिबंध लगाने के उद्देश्य से ही प्रतिवर्ष 26 जून को 'अंतर्राष्ट्रीय नशा एवं मादक पदार्थ निषेध दिवस' मनाया जाता है लेकिन 36 वर्षों से यह दिवस मनाते रहने के बावजूद नशे की तस्करी पर लगाम कसे जाने के बजाय यह समस्या दुनियाभर में विकराल होती गई है। चिंताजनक स्थिति यह है कि भारत में तो नशे का कारोबार अब देश के नामीगिरामी शिक्षण संस्थानों तक फैल चुका है। बड़े शहरों की रेव पार्टियां, जहां महंगे होटल और फार्म हाउसों में धुआं, शराब और कोकीन की महक में आधुनिक युवा वर्ग डूबा होता है, इस विघटन की सबसे वीभत्स तस्वीरें पेश करती हैं। राजनीतिक संरक्षण और प्रशासनिक शिथिलता ने इन पार्टियों को लगभग 'छूट प्राप्त अड्डों' में बदल दिया है, जहां पुलिस की कार्रवाई महज दिखावा बनकर रह जाती है। रईसजादों के लिए यह नशे की संस्कृति, 'स्टेटस सिंबल' और 'मॉडर्निटी' का पर्याय बन गई है। कोकीन जैसे पदार्थ, जिनमें गंध तक नहीं होती, उनके लिए नया फैशन स्टेटमेंट हैं, बिना यह समझे कि ये पदार्थ तंत्रिका तंत्र पर सीधा प्रहार करते हैं और धीरे-धीरे शरीर और आत्मा को खोखला कर देते हैं।

इस भयावह स्थिति को और बढ़ावा देने वाला माध्यम है इंटरनेट। यह सूचना क्रांति का माध्यम अब नशीली दवाओं की उपलब्धता और प्रचार-प्रसार का भी

प्लेटफॉर्म बन गया है। भारत में नशीले पदार्थों का सेवन करने वालों में कॉलेज छात्रों की भागीदारी चालीस प्रतिशत से अधिक है और इस आंकड़े में लड़कियों की संख्या भी चिंताजनक स्तर तक बढ़ चुकी है। अनेक कॉलेज परिसरों में अब यह स्थिति बन गई है कि छात्र अपने ही परिसर में नशा खरीद सकते हैं, यह व्यवस्था किसी संगठित गिरोह से कम नहीं। छात्रों का नशे की ओर झुकाव कई कारणों से होता है, साथियों के दबाव में, मॉडर्न दिखने की चाह में, रोमांच की तलाश में या फिर अवसाद, चिंता और मानसिक अकेलेपन की स्थिति में।

चौंकाने वाली बात यह है कि वे दवाएं, जिन्हें मानव जीवन की रक्षा के लिए बनाया गया था, उन्हें अब नशे के औजार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। इस प्रवृत्ति ने पूरे स्वास्थ्य क्षेत्र को नैतिक संकट में डाल दिया है। नशीली दवाओं के सेवन से शरीर पर अनेक घातक प्रभाव होते हैं, भूख मर जाना, वजन कम होना, आंखों में लाली और सूजन, कंपकंपी, नींद न आना, चिड़चिड़ापन, अवसाद, ध्यान केंद्रित करने में असमर्थता और यहां तक कि एड्स जैसे संक्रमणों का खतरा भी। मादक पदार्थों का सेवन धीरे-धीरे व्यक्ति की इच्छाशक्ति को इस हद तक खत्म कर देता है कि वह इनका गुलाम बन जाता है। प्रारंभिक प्रयोग के बाद, व्यक्ति पहले जैसी अनुभूति के लिए मात्रा बढ़ाता जाता है और एक ऐसी अवस्था में पहुंच जाता है, जहां उसका पूरा अस्तित्व इन पदार्थों पर निर्भर हो जाता है।

समाज में व्याप्त यह भ्रांति कि नशे से सृजनात्मकता, सोचने की शक्ति, एकाग्रता और यौन शक्ति में वृद्धि होती है, एक भ्रामक और खतरनाक मिथक है। असलियत यह है कि नशे की गिरफ्त में आया व्यक्ति धीरे-धीरे अपनी सोच-विचार की स्पष्टता खो देता है, उसकी निर्णय-क्षमता खत्म हो जाती है और उसके कार्यों में तालमेल टूट जाता है। कोई भी रसायन, जो व्यक्ति की शारीरिक या मानसिक क्रिया-प्रणाली में बदलाव लाए, वह मादक पदार्थ कहलाता है। जब इनका उपयोग स्वास्थ्य सुधार के लिए दवा के रूप में होता है, तब यह औषधीय प्रयोग माना जाता है लेकिन जब यही रसायन आनंद, भ्रम या सुख की तलाश में इस्तेमाल किए जाते हैं और शरीर को नुकसान पहुंचाते हैं, तब वह दुरुपयोग बन जाते हैं और यही दुरुपयोग वर्तमान भारत की सबसे बड़ी सामाजिक और नैतिक चुनौती बन गया है।

देश में नशे का फैलता कारोबार किसी वायरस की तरह समाज को अंदर ही अंदर खोखला कर रहा है। यह कारोबार केवल स्वास्थ्य का ही शत्रु नहीं है बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और सामाजिक संरचना पर भी सीधा हमला है। सबसे गंभीर पहलू यह है कि भारत केवल नशे का उपभोक्ता नहीं बल्कि अंतर्राष्ट्रीय तस्करी के नक्शे पर एक प्रमुख 'ट्रांजिट रूट' भी बन चुका है। अफगानिस्तान, पाकिस्तान, म्यांमार, ईरान और चीन जैसे देशों से होते हुए भारत के रास्ते मादक पदार्थ पश्चिमी बाजारों तक पहुंचते हैं। इंटरनेशनल नारकोटिक्स कंट्रोल बोर्ड की रिपोर्ट भी इस बात की पुष्टि करती है कि भारत की भौगोलिक स्थिति तस्करों के लिए सबसे सुगम मार्ग है। यह व्यापार अब वैश्विक अर्थव्यवस्था का 15 प्रतिशत हिस्सा बन चुका है। इससे जुड़ी माफिया शक्तियां, आतंकवाद, संगठित अपराध और आर्थिक धोखाधड़ी से भी जुड़ चुकी हैं। भारत में इस पर लगाम लगाने के लिए नारकोटिक्स एक्ट जैसे कठोर कानून मौजूद हैं लेकिन अपराधी अक्सर इन कानूनों की कमियों का लाभ उठाकर बच निकलते हैं। इस कानूनी असहायता ने इस अवैध धंधे को और अधिक निर्भीक बना दिया है।

इस समय समाज को एक जिम्मेदार संरक्षक की भूमिका निभानी चाहिए। सरकारें जितनी भी योजनाएं बना लें, कानून जितने भी कठोर हों, यदि समाज सजग नहीं हुआ तो इन प्रयासों की सफलता अधूरी रह जाएगी। युवाओं को बचाने के लिए सबसे पहले संवाद की आवश्यकता है, परिवारों में, विद्यालयों में, सामाजिक और धार्मिक मंचों पर। मार्गदर्शन, सहयोग और करुणा से ही युवा वर्ग को उस गर्त से बाहर निकाला जा सकता है, जिसमें वह आज फंसता जा रहा है। यह सोच गलत है कि नशे से लड़ाई केवल सरकार की जिम्मेदारी है, यह संपूर्ण समाज की परीक्षा है और यदि हम सचमुच इस परीक्षा में सफल होना चाहते हैं तो अब और देर नहीं करनी चाहिए। हमें यह स्वीकार करना होगा कि नशा अब एक व्यक्तिगत समस्या नहीं बल्कि राष्ट्रीय आपदा है और इस आपदा से लड़ने का एक ही रास्ता है जनचेतना, सहयोग और सामूहिक संकल्प। यही वह समय है, जब हमें अपने युवाओं को यह भरोसा देना होगा कि जीवन की सबसे बड़ी खुशी नशे में नहीं बल्कि स्वाभिमान, सृजन और संवेदना में है और यही वह क्षण है, जब हमें यह प्रण लेना होगा कि हम नशे के हर रूप, हर स्रोत और हर समर्थन के खिलाफ खड़े होंगे, बिना डरे, बिना रुके।

मुद्दा

संध्या अग्रवाल

(लेखक गांधी विचारों के अध्येता व समाजसेवी हैं)

प्रसिद्धि की चाह में मत छीनो बचपन

एक अन्य घटना में हनुमान चालीसा लिख रहे किसी बच्चे का स्वास्थ्य भी ठीक नहीं है । ये तो रही रिकॉर्ड बनाने से जुड़ी दुर्घटना । हद तो तब हो गई जब अभी हाल ही में घटी एक घटना में एक पिता द्वारा अपनी बच्ची को नीट की परीक्षा में कम अंक लाने पर पीटे जाने से हुई बच्ची की मौत ने मानवता को ताक में रखकर मानव मन को झकझोर कर रख दिया । इस घटना से मानव मन बुरी तरह आहत एवं हतप्रभ है । जहां तक प्रसिद्धि की बात करें तो इसकी चाह सभी को होती है, पर ऐसी घटनाएं जब जुनून का रूप लेती हैं तो इसी जुनून के चलते बच्चे को लक्ष्य प्राप्त करने के चक्कर में, उसकी शारीरिक मानसिक क्षमताओं को नजरअंदाज कर मानवता से परे दृष्टिकोण अपनाकर, उसे कार्य विशेष के लिए मशीनी अंदाज में जीने पर मजबूर किया जाता है ।

अक्सर यह पढ़ने और सुनने में आता है कि गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने की होड़ में एक बच्ची को अटैक आया। उस बच्ची ने लगातार रोटियां बनाने का रिकॉर्ड बनाना चाहा तो मात्र 22 घंटे में 2002 रोटियां बनाने के बाद ही उसके मुंह से झाग आने लगा और उसे तत्काल अस्पताल ले जाना पड़ा। वहीं दूसरी ओर लगातार 72 घंटे तक पेंटिंग बनाने के रिकॉर्ड के दौरान 40 घंटे पेंटिंग करने के पश्चात एक बच्चे को तेज बुखार आ गया। एक अन्य घटना में हनुमान चालीसा लिख रहे किसी बच्चे का स्वास्थ्य भी ठीक नहीं है । ये तो रही रिकॉर्ड बनाने से जुड़ी दुर्घटना। हद तो तब हो गई जब अभी हाल ही में घटी एक घटना में एक पिता द्वारा अपनी बच्ची को नीट की परीक्षा में कम अंक लाने पर पीटे जाने से हुई बच्ची की मौत ने मानवता को ताक में रखकर मानव मन को झकझोर कर रख दिया। इस घटना से मानव मन बुरी तरह आहत एवं हतप्रभ है। जहां तक प्रसिद्धि की बात करें तो इसकी चाह सभी को होती है, पर ऐसी घटनाएं जब जुनून का रूप लेती हैं तो इसी जुनून के चलते बच्चे को लक्ष्य प्राप्त करने के चक्कर में, उसकी शारीरिक मानसिक क्षमताओं को नजरअंदाज कर मानवता से परे दृष्टिकोण अपनाकर, उसे कार्य विशेष के लिए मशीनी अंदाज में जीने पर मजबूर किया जाता है।

इन घटनाओं ने समाज के सामने एक यक्ष प्रश्न रखा है? कि आखिर कहां जा रहा है हमारा समाज? हम क्यों अपनी अपेक्षाओं का बोझ बच्चों पर लाद रहे हैं। क्या अभिभावक अपनी अति महत्वाकांक्षाओं के चलते अपने बच्चों से उनका बचपन छीन रहे हैं? आखिरकार ये सब क्यों हो रहा है? इस होड़ में शामिल होने की तह में ऐसा कौन सा आकर्षण है जो मनुष्य को स्वयं के साथ एवं अपने बच्चों के साथ लगातार अथक परिश्रम करने पर मजबूर करता है जो कि वस्तुतः एक जुनून का रूप ले लेता है।

इस जुनून की मूल वजह अभिभावकों की बच्चों को खास या असाधारण व्यक्तित्व वाला बनाने की चाह है। आजकल हर माता-पिता चाहते हैं कि उनका बच्चा दूसरों के बच्चे से हटकर दिखे, कुछ खास हो। और इसी महत्वाकांक्षा के चलते कुछ लोग अपने बच्चों को उनकी क्षमता से अधिक अभ्यास करवाने या फिर उससे जबरिया यह काम करवाते हैं जो उन बच्चों के बस की बात नहीं। यही कारण है कि कुछ बच्चे बीमार पड़ जाते हैं, किसी को चक्कर आ जाता है और कभी-कभी बच्चे अवसाद या अन्य मनोरोग का शिकार हो जाते हैं, जो कि बुनियादी तौर पर गलत है।

अगर किसी अभिभावक को अपने बच्चे में किसी क्षेत्र विशेष में कोई दक्षता नजर आती है, तो उसे धीरे-धीरे निखारें। बच्चे को एकदम से ज्यादा अभ्यास न करवाएं और यदि बच्चे का मन अभ्यास का नहीं है, तो उसे डांटे-डपटे नहीं। ताकि उसके कोमल मन और मस्तिष्क में गलत प्रभाव न पड़े, इसका ध्यान रखें। बच्चे वैसे भी जन्मजात जिज्ञासु प्रवृत्ति के होते हैं। इसलिए बच्चे की इस प्रवृत्ति एवं सीखने की लगन के अनुसार ही क्षेत्र विशेष में उसे दक्ष करें। किसी भी बच्चे की चमत्कृत करने वाली दक्षता या प्रतिभा किसी एक दिन का प्रयास नहीं, वरन उस चमत्कार के पीछे उसकी बरसों की लगातार मेहनत एवं उसे प्रदान किया गया विशेष माहौल और प्रशिक्षण जैसे महत्वपूर्ण कारक होते हैं।

रिकॉर्ड बनाने या दिखावे के चक्कर में कोमल मन मस्तिष्क पर अत्यधिक दबाव न डालें, नहीं तो बच्चे हीन भावना का शिकार हो जाते हैं, उनका सर्वांगीण विकास नहीं हो पाता। अतः बच्चे के किसी क्षेत्र विशेष में सफलता के लिए नियमित अभ्यास तो कराएं, लेकिन

बच्चे की रुचि का भी ध्यान रखें, तभी बच्चे सफलता की कसौटी पर खरे उतरेंगे। अभिभावकों को चाहिए कि वे अपने बच्चे की क्षमता के अनुसार उसके विकास पर बल दें। यदि बच्चे में कोई प्रतिभा है, तो उसकी इस क्षमता का या प्रतिभा का अनुचित दोहन न करें हम उस प्रतिभा का उपयोग कुछ इन अर्थों में करें को बच्चे से उसका बचपन न छीने। बच्चों में इस प्रकार की किसी भी दक्षता को विकसित करने से पहले उसके उद्देश्य और सकारात्मक परिणामों पर विचार करना जरूरी है, क्योंकि आगे चलकर वही दक्षता उपयोगी होती है, जिससे बच्चे के साथ-साथ उसका परिवार एवं संपूर्ण समाज लाभान्वित हो, जिससे समाज को कोई दिशा या प्रेरणा मिले। अन्यथा उद्देश्यहीन दक्षता या प्रसिद्धि पाना, ये एक ऐसी अंतहीन चाह है जो एक अंधी दौड़ के समान है, जिसका कोई औचित्य नहीं। अतः अभिभावकों को प्रचार तंत्र का इस्तेमाल करते समय इस तथ्य का खास तौर से ध्यान रखना चाहिए और औचित्यहीन प्रसिद्धि की चाह से बचना चाहिए।

इतना याद रखें कि बच्चे को असाधारण या खास बनाना जितना महत्वपूर्ण नहीं है, उससे कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण है उसे भविष्य में एक जिम्मेदार आम नागरिक बनाना जो अपने स्वयं के परिवार के दायित्व के साथ-साथ समाज के प्रति भी अपने दायित्व कुशलता से निभा सके। साथ ही ये तथ्य भी ध्यान रहे कि क्षेत्र चाहे कोई भी हो, नंबर वन पर हर बच्चा पहुंचे ऐसा संभव नहीं, क्योंकि नंबर वन स्थान पर वही पहुँचता है जो सबसे ज्यादा निपुण होता है एवं हर बच्चे में क्षमता व प्रतिभा भिन्न भिन्न स्तर की होती है जिसके अनुसार उनके व्यक्तित्व का विकास होता है तथा कोई भी व्यक्तित्व किसी अन्य की कॉपी 'प्रतिलिपि' नहीं हो सकता साथ ही इस संसार में चाहे साधारण हो या असाधारण हर व्यक्ति की भूमिका महत्वपूर्ण है इन सब तथ्यों को ध्यान में रखकर अभिभावक बच्चे से उसका बचपन छीनने में सहायक ना बने अपितु उसके सहज विकास में उचित योगदान देकर वे अपना दायित्व सफलतापूर्वक निभा सकते हैं। तभी इन घटनाओ की पुनरावृत्ति रुकेगी।

अंकुरण

सत्येन्द्र पाण्डेय

लेखक सामाजिक कार्यकर्ता हैं।

सियादुलारी : आदिवासी अस्मिता की एक पहचान

एक आदिवासी लड़की जो अपने परिवार के साथ बंधुआ मजदूरी करती थी, जो स्कूल जाती तो अपने साथ एक बोरी का टुकड़ा लेकर जाती थी ताकि पेड़ के नीचे लगने वाली स्कूल में सबसे पीछे ही सही लेकिन बैठने की जगह मिल सके और खुले आसमान में लगने वाले विद्यालय की छत की तरह उसके सपने भी अनंत आसमान का हिस्सा बन सकें. वह सब छत्रों के आने के पहले सबके बैठने की जगह को झाड़ू से बुहार देती थी और इसी आदत या कहें कि मज़बूरी ने उसे जमीन पर अपने निशान छोड़ना सिखा दिया और आज उसका पूरा परिवेश उसके नाम से जाना जाता है. उभरते हुए जमीनी नेतृत्व की कहानियों के पहले भाग में आज हम चर्चा कर रहे हैं रीवा जिले के दूरस्थ आदिवासी ब्लॉक जवा के डभौरा में रहने वाली सामाजिक कार्यकर्ता सियादुलारी आदिवासी की. जिनके नाम से बना हुआ सियानगर उनके संघर्षों और काम की गवाही देता है.

रीवा जिले की त्योंथर तहसील और जवा ब्लॉक मध्यप्रदेश के सबसे पिछड़े इलाकों में शुमार किये जाते हैं. बहुत पुरानी बात नहीं है जब इलाके में डाकुओं का आतंक था और सूरज ढलते ही लोग अपने घरों में समा जाते थे. बाहर निकालने की हिम्मत करना बहादुरी की बात मानी जाती थी. इस इलाके में सामंती दादागिरी और जातिगत भेदभाव भी चरम पर थे, आज बदलाव आया है लेकिन पूरी तरह से भेदभाव खतम हो गए हों ऐसी बात नहीं है. ऐसे वातावरण में कोल आदिवासी परिवार की किसी बालिका के लिए शिक्षा ग्रहण कर सम्मान के साथ अपना स्वतंत्र व्यक्तित्व बना सकना असंभव की हद तक मुश्किल रहा होगा, यह समझने के लिए बहुत जानकार होने की जरुरत नहीं है. लेकिन सियादुलारी ने यह हिम्मत की और कामयाबी हासिल की. बेशक इसके लिए उनके अभिभावकों का सम्मान किया जाना चाहिए कि उन्होंने अपनी बेटी को महुआ बीनने और चूल्हा फूंकने से अलग कुछ कल्पना की होगी और स्कूल में दाखिला कराया होगा.

उनका दाखिला बौना कोठार की प्राथमिक शाला में कराया गया जिस गाँव में वे पैदा हुई थीं. स्कूल क्या था- एक शिक्षक थे जो खाली जमीन में एक पेड़ की छाया में बैठकर बच्चों को अक्षर ज्ञान कराया करते थे. दलित और आदिवासी परिवार के बच्चे अपने साथ जूट का बोरा लेकर आया करते थे ताकि धूल में न बैठना पड़े. सियादुलारी भी अपना बोरा अपने साथ लेकर आती थीं. सिर्फ इसलिए नहीं कि कपडे ख़राब न हो जाएँ बल्कि अपने आत्मसम्मान की रक्षा के लिए भी. शायद अपने व्यक्तित्व का सम्मान करना उन्होंने इसी प्राथमिक विद्यालय से सीखा होगा. स्कूल सिर्फ अक्षर ज्ञान नहीं कराते, बल्कि जीवन की बड़ी शिक्षाएं भी प्रदान करते हैं. ऐसी ही एक शिक्षा थी सामाजिक भेदभाव का सामना. दलित और आदिवासी बच्चों को पढाई के आलावा स्कूल की सफाई की जिम्मेवारी भी निभानी होती थी और झाड़ू से पेड़ के नीचे की जगह को बुहारने के बाद गोबर से उसकी लिपाई भी करनी पड़ती थी ताकि सब बच्चे साफ़ जगह में बैठ सकें. इन सब सेवाओं के बावजूद स्कूल में और आते-जाते रास्ते में लोग ताना मारते थे कि अब कोलों की लड़कियां भी पढाई करेंगी !

पांचवीं कक्षा पास करने के बाद आगे की पढाई के लिए उनका दाखिला घर से तीन किलोमीटर दूर कोटरा कलां गाँव की मिडिल स्कूल में हुआ. रोज पैदल आना और जाना होता था. यह सब जीवन में चल ही रहा था कि आठवीं कक्षा के दौरान सियादुलारी की माताजी का असमय निधन हो गया. उनका होना सियादुलारी के लिए एक संबल था जो खत्म हो गया. पिता अब तक उनके साथ खड़े थे लेकिन अब समाज के दवाब में झुकाना पड़ा और 14 साल की आयु में उनका विवाह कर दिया गया. बिना माँ के परिवार में जवान होती लड़की की देखभाल कौन करेगा? इसलिए शादी करो और फुर्सत पाओ. लोग तो फुर्सत पा गए लेकिन सियादुलारी का जीवन संकटों में घिर गया. पति महोदय घरेलू हिंसा को अपना अधिकार समझते थे और बात-बेबात पर मार-पीट करना अपना कर्तव्य. शरीर से अधिक चोट मन पर लगती. इस बीच तीन बच्चे भी आ गए.

एक दिन वे ससुराल के अपने घर में थी. उन्होंने देखा कि बाहर से कुछ महिलाएं गाँव में आई हैं. वे एक संगठन से थीं और नए तरह की बातें कर रही थीं जिनमे महिलाओं के सम्मान, उनकी शिक्षा, आदिवासियों के अधिकार, संविधान, मूल अधिकार और जाने क्या-क्या? सियादुलारी को समझ में तो बहुत कम आया लेकिन बातें अच्छी लगीं. उन्होंने पहली बार जाना कि उनके साथ उनके घर में जो रोज हो रहा था, उसे घरेलु हिंसा कहते हैं और यह एक गलत बात है. इसके पहले तो वे इसे सामान्य समझती थीं, भले ही ख़राब लगता हो. लेकिन इससे भी अच्छी बात उन्हें यह लगी कि दो-तीन महिलाएं किसी गाँव में अपने परिवार के लोगों के संरक्षण के बिना आकर अपने मन की बात कर पा रही थीं. उन्हें इस तरह का काम अच्छा लगा. फिर क्या था- वे उनकी बैठकों में बैठने लगीं और बहुत जल्दी अपने गाँव के समूह की लीडर बन गई.

उनके नेतृत्व की क्षमता से संगठन के लोग भी प्रभावित हुए और उनको दुसरे गांवों में महिलाओं को संगठित करने और जागरूक करने के लिए भेजा जाने लगा. इस बीच उनका संपर्क विकास संवाद समिति, भोपाल और चाइल्ड राइट्स एन्ड यू, नई दिल्ली से हुआ और उनकी पहचान तथा काम का दायरा बढ़ने लगा. उनके व्यक्तित्व से लोग प्रभावित होने लगे तथा आस-पास के गाँव के लोग ही नहीं बल्कि सरकारी अधिकारी भी उनकी वक्तव्य शैली और समझ-बूझ का लोहा मानने लगे. दिल्ली और भोपाल में कार्यशालाएं, बैठकें और आयोजनों में उनकी भागीदारी होने लगी. इससे उनका ज्ञान बाधा, मुद्दों पर समझ का विस्तार हुआ और आदिवासियों तथा महिलाओं के अधिकारों की जानी-मानी प्रवक्ता बन गई. लेकिन इसका असर उनके पारिवारिक जीवन पर हुआ और उनके पति को उनके व्यक्तित्व की यह चमक रास नहीं आई. घरेलु हिंसा की घटनाएँ और तीव्रता बढ़ने लगी और एक दिन पति ने दूसरी शादी भी कर ली. सियादुलारी ने पति का घर छोड़ दिया और अपने तीनों बच्चों के साथ वहां से दूर एक मकान किराये पर लिया और बच्चों की पढाई, पालन-पोषण और अपने काम में जी-जान से जुट गई.

2008 में उन्होंने अपने साथियों के साथ मिलकर 'रेवांचल दलित आदिवासी सेवा संस्थान समिति' नामक संस्था का गठन किया और आदिवासियों को वन अधिकार, शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, किशोरी स्वास्थ्य, बाल अधिकार और युवाओं के कौशल विकास आदि के मुद्दों पर काम करना शुरू किया. उनके काम से हजारों लोगों के जीवन में बदलाव आया है और इसलिए उन्हें अनेक सम्मानों से सम्मानित किया गया है. सबसे बड़ा सम्मान तो यही है कि वे डभौरा के जिस इलाके में निवास करती हैं, उसे लोग उनके सम्मान में : सियानगर कहते हैं. उनको नेशनल फाउंडेशन फॉर इंडिया के कार्यक्रम अंकुरण के अंतर्गत महिला नेतृत्व में संचालित संस्थाओं के समूह में शामिल किया गया. इस अवसर का इस्तेमाल उन्होंने अपनी संस्था और समुदाय की बेहतरी के लिए किया है.

संविधान हत्या दिवस पर जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित

लोकतंत्र सेनानियों के परिजनों का हुआ सम्मान

बैतूल। संविधान हत्या दिवस के अवसर पर बुधवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती पार्वतीबाई बारस्कर, जिला पंचायत उपाध्यक्ष हंसराज धुर्वे, सुधाकर पवार सहित लोकतंत्र संग्राम सेनानियों के परिजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अतिथियों ने लोकतंत्र संग्राम सेनानियों के परिजनों राजीव खंडेलवाल, जितेंद्र कपूर, श्रीमती मिरासे, श्रीमती मनोरमा पंडाग्रे, राजीव रतन

गुगनानी, श्रीमती पार्वतीबाई मानकर को ताम्रपत्र, शाल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर लोकतंत्र का संग्राम सेनानियों के परिजनों ने संविधान हत्या दिवस 25 जून पर प्रकाश डाला। राजीव खंडेलवाल एवं श्री जितेंद्र कपूर ने आपातकाल के दौरान लोकतंत्र की रक्षा में सेनानियों द्वारा किए गए संघर्ष को याद किया और प्रशासन द्वारा दिए गए सम्मान के लिए आभार व्यक्त किया। इस दौरान संविधान पर आधारित लघु फिल्म का प्रदर्शन एवं भी किया गया। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने संविधान पर केंद्रित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती कृष्णा हजारे एवं डैनी गौड़ द्वारा किया गया, वहीं आभार एसडीएम राजीव कहार ने व्यक्त किया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर राजीव नंदन श्रीवास्तव, संयुक्त कलेक्टर मकसूद अहमद, मुख्य नगर पालिका अधिकारी सतीश मतसानिया, डीपीसी जितेंद्र कुमार भनारिया सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिले में अब तक 93.2 प्रतिशत उपभोक्ताओं ने ही कराई ई-केवाईसी करीब 69 हजार उपभोक्ताओं का इस माह से राशन होल्ड

बैतूल। जिले के करीब 69 हजार राशन उपभोक्ताओं ने अभी भी ई केवायसी नहीं कराई। जिसके कारण उनके राशन पर होल्ड लगा दिया है। जब तक राशन ई केवायसी नहीं कराते, उन्हें राशन से वंचित रहना पड़ेगा। दरअसल खाद्य मंत्रालय ने साफ तौर पर कहा है कि यदि ई-केवाईसी नहीं कराई गई तो ऐसे हितग्राहियों को राशन नहीं दिया जाएगा। हितग्राहियों को उचित मूल्य दुकानों पर पहुंचकर पीओएस मशीन से ई-केवाईसी कराना जरूरी है। लेकिन इसके बाद भी अब तक शत प्रतिशत ई-केवाईसी नहीं हो पाई है। इसके चलते अब शासन स्तर से ऐसे उपभोक्ताओं के राशन पर होल्ड लगा दिया है। इससे जिले में करीब 69 हजार लोगों शामिल है, यह उपभोक्ता जब तक ई-केवायसी नहीं करवा लेते है, तब तक उन्हें राशन नहीं मिलेगा। जिला खाद आपूर्ति अधिकारी कृष्ण कुमार टेकाम ने बताया कि जिले में 660 उचित मूल्य की दुकानें हैं। जहां से करीब 3 लाख 10 हजार परिवारों के लगभग 12 लाख 50 हजार सदस्य प्रतिमाह राशन लेते थे, लेकिन अब भी मात्र 93.2 फीसदी सदस्यों ने ई-केवाईसी कराई है। जिन लोगों ने ई-केवायसी नहीं कराई है, उनका राशन रोक दिया है। अगर जल्द ही इन उपभोक्ताओं ने ई-केवाईसी नहीं कराई तो उनका राशन वितरण से नाम हटा दिया जाएगा। वर्तमान में उनका राशन रोका गया है। यह लोग राशन लेने के लिए दुकान पर आकर ई-केवाईसी कराते हैं तो उन्हें राशन का आवंटन किया जाएगा।

तीन महीने का राशन लेने लगाना पड़ रहा 3 बार अंगूठा

सरकार द्वारा तीन महीने का राशन वितरित किया जा रहा है। इसलिए राशन वितरण होने पर तीन माह के हिसाब से उपभोक्ताओं को अंगूठा लगाना पड़ रहा है। साथ ही इसका तीन बार अलग-अलग मैसेज भी उपभोक्ताओं के मोबाइल पर आएंगे। इससे राशन वितरण की पारदर्शिता बनी रहेगी। अगर किसी कारण से उपभोक्ता इस माह राशन नहीं ले पाता है तो वह आगामी माह में भी एक साथ तीन माह का राशन ले सकता है। यानि तीन माह का राशन वितरण किया जा रहा है। जिला खाद एवं आपूर्ति अधिकारी श्री टेकाम ने बताया कि जिन लोगों के द्वारा ई-केवायसी नहीं कराई जायेगी, उन्हें राशन नहीं मिलेगा। जो मृत हो गए या लडक़ी की शादी हो चुकी, परिवार का पलायन हो चुका हो। इसके बाद भी उनके परिवार के सदस्य उनके नाम का राशन ले रहे थे। ई-केवाईसी के बाद ऐसे उपभोक्ताओं के नाम काटे जा रहे है। अब मात्र पात्र हितग्राहियों को ही राशन का वितरण किया जा रहा है।

जितने सदस्यों की ई-केवाईसी, उतना ही मिलेगा राशन

राशन दुकानों से अब हितग्राहियों को उतने ही सदस्यों का राशन प्राप्त होगा, जितने सदस्यों की ई-केवाईसी हुई है। यानि परिवार में चार सदस्य है और तीन ही सदस्य ने ई-केवायसी कराई है तो पीओएस मशीन से तीन ही लोगों का राशन प्रदर्शित होगा, जब चौथा सदस्य ई-केवायसी करायेगा, उसके बाद ही उसका राशन प्रदर्शित होगा। श्री टेकाम ने बताया कि पहले पोर्टेबिलिटी के तहत हितग्राही कहीं से भी राशन ले सकता था, लेकिन अब पोर्टेबिलिटी में राशन तब ही मिलेगा, जब परिवार के सभी सदस्यों का ई-केवायसी हुई हो। अन्यथा हितग्राही को राशन अपनी मूल राशन दुकान से ही राशन लेना होगा।

अब नहीं चलेगी बहानेबाजी, ई-केवाईसी अनिवार्य

अब राशन दुकानों पर बहानेबाजी नहीं चलेगी। पहले हितग्राही बहानेबाजी करके सदस्यों के बाहर जाने का बहाना कर देते थे और राशन ले लेते थे, लेकिन अब जितने सदस्यों की ई-केवायसी होगी, उसी हिसाब से राशन दुकान से राशन प्राप्त होगा। श्री टेकाम ने बताया कि जिन्होंने ई-केवायसी नहीं कराई है, उन्हें वन नेशन, वन कार्ड की सुविधा से वंचित रहकर राशन से मरहूम होना पड़ेगा। बैतूल जिले की बात करें तो पात्र व्यक्ति को सरकार की तरफ से 3 किलो गेहूं, 2 किलो चावल दिया जाता है, जबकि अंत्योदय योजना के हितग्राहियों को 22 किलो गेहूं, 1 किलो शकर, 13 किलो चावल व 1 रुपए प्रति किलो नमक मिलता है।

इनका कहना है -

अभी तक जिले में 93.2 प्रतिशत लोगों की ई केवायसी कराई जा चुकी है। जिन राशन हितग्राहियों ने ई केवायसी नहीं कराई है, उनका राशि होल्ड कर दिया है। उन्हें तब ही राशन मिलेगा, जब वे ई केवायसी करायेगे।

-कृष्ण कुमार टेकाम,
जिला खाद एवं आपूर्ति अधिकारी, बैतूल

धार में जगन्नाथ रथयात्रा का भव्य आयोजन 27 जून को

धार। विश्व प्रसिद्ध जगन्नाथपुरी रथयात्रा 27 जून को पुरी उड़ीसा में आयोजित की जा रही है । श्री सांवरिया सेठ भक्त मंडल धार द्वारा जगन्नाथपुरी रथ यात्रा की तर्ज पर धार में जगन्नाथ रथयात्रा का भव्य आयोजन 27 जून को किया जा रहा है । यात्रा हिंदू धर्म के प्रमुख त्योहारों में से एक है इसी कारण यह यात्रा पुरी में निकलने वाली यात्रा के साथ ही आयोजित की जा रही है ।

श्री सांवरिया सेठ मंदिर धार पर आयोजित पत्रकार वार्ता में सांवरिया सेठ भक्त मंडल के अध्यक्ष एवं रथ यात्रा प्रमुख स्वयं प्रकाश सोनी ने रथ यात्रा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि भगवान जगन्नाथ रथयात्रा भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और माता सुभद्रा की मूर्तियों को उनके मंदिर से बाहर निकाल कर रथ में विराजित कर नगर भ्रमण करने का एक प्रमुख धार्मिक अनुष्ठान है । यह यात्रा भक्तों को भगवान के साथ जुड़ने और उनकी कृपा प्राप्त करने का अवसर प्रदान करती है ।

पत्रकार वार्ता में डॉ . अशोक शास्त्री ने बताया कि जगन्नाथ रथ यात्रा के दौरान सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन और स्थानीय अधिकारियों द्वारा विशेष इंतजाम किए गए हैं । इस संबंध में सांवरिया सेठ भक्त मंडल की चर्चा नगर पुलिस अधीक्षक, नगर दंडधिकारी एवं उच्च अधिकारियों के साथ हुई बैठक में यात्रा के नियम और निर्देशों का पालन करने के संबंध में विस्तृत चर्चा हुई। रथयात्रा में उपस्थित होने वाले भक्तों से निवेदन है कि यात्रा में भाग लेने के लिए अपनी तैयारी करें और यात्रा के दौरान धैर्य और शांति बनाए रखें । भगवान जगन्नाथ की कृपा और आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए भक्तों को यात्रा में शामिल होने का अवसर ही नहीं मिलेगा बल्कि अपने हाथों से रथ को खींचने का स्वर्णिम अवसर भी प्राप्त होगा।

सांवरिया सेठ भक्त मंडल के प्रमुख सदस्य पंडित अशोक मनोहर जोशी ने बताया कि यात्रा मोती बाग चौक से प्रारंभ होकर पौ चोपाटी, राजवाड़ा चौक जवाहर मार्ग, आनंद चौपाटी ,नरसिंह चौपाटी धान मंडी, कश्यप भवन मोहन टॉकीज, घोड़ा चौपाटी, त्रिमूर्ति नगर चौराहे होते हुए श्री सांवरिया सेठ मंदिर त्रिमूर्ति नगर पर पहुंचेगी। उन्होंने बताया कि भगवान श्री जगन्नाथ जी को सहायता और सहयोग की आवश्यकता नहीं होती है लेकिन इतने

बड़े आयोजन को करने में मंडल को निश्चित ही व्यक्तिगत सहयोग की आवश्यकता प्रतीत होती है और भगवान जगन्नाथ जी भी ऐसे कार्य हेतु उन्हीं व्यक्तियों को चुनते हैं जिनकी ओर से प्रसाद ग्रहण करना होता है । चारधाम में से उड़ीसा का जगन्नाथ धाम ही एक ऐसा मंदिर है जहां भगवान को भोग अर्पित होता है जिसमें अन्न दान का विशेष महत्व होता है। उन्होंने यह भी बताया कि रथ यात्रा के आयोजन के लिए विभिन्न संसाधनों की आवश्यकता होती है और वह बिना सहयोग के संभव नहीं होती है उक्त रथ यात्रा विगत तीन वर्षों से श्री सांवरिया सेठ भक्त मंडल सफलतापूर्वक आयोजित करते आए हैं। उन्होंने कहा कि आप जगन्नाथ रथ यात्रा में आर्थिक सहयोग स्वयं प्रचार प्रसार करके यात्रा मार्ग में स्टाल एवं प्रसादी सामग्री अर्पित कर रथ यात्रा में सहयोग कर सकते हैं।

सांवरिया सेठ भक्त मंडल पत्रकार वार्ता में उपस्थित पंडित संतोष पांडे एवं ओम प्रकाश सोलंकी ने बताया कि रथ यात्रा हेतु रथ श्री सांवरिया सेठ भक्त मंडल द्वारा तैयार करवाया गया है । उक्त रथ हाइड्रोलिक बनाया गया है जिसकी वजह से रथ की ध्वजा गुंबद को सुविधा अनुसार ऊपर नीचे किया जा सकता है। रथ यात्रा में विराजित होने वाले भगवान जगन्नाथ , बलराम एवं बहन सुभद्रा के विग्रह बदनावर से लाए जा रहे हैं। रथ यात्रा के दौरान नगर के विभिन्न समाजसेवी संगठनों ने रथ यात्रा के स्वागत हेतु स्वागत द्वार एवं बैनर तैयार किए हैं । रथ यात्रा में सहयोग करके इस पवित्र अवसर को सफल बनाने के अपील करते हुए कहा कि आपके सहयोग से धार शहर की शांति एवं अमन चैन के लिए हमें निश्चित ही भगवान जगन्नाथ जी की कृपा और आशीर्वाद प्राप्त होंगे।

रथ यात्रा समापन पश्चात रथ यात्रा में सम्मिलित भक्तजनों हेतु महाप्रसादी का आयोजन भी सांवरिया सेठ भक्त मंडल द्वारा किया गया है। महाप्रसादी की व्यवस्था हिंदू नेता अशोक जैन एवं पार्षद अजीत जैन द्वारा की गई है । सांवरिया सेठ भक्त मंडल ने रथ यात्रा में अधिक से अधिक संख्या में परिवार सहित उपस्थित होने का आग्रह किया है।

भाजपा ने आपातकाल के काला अध्याय के 50 वर्ष होने पर लोकतंत्र सेनानियों सम्मान किया

लोकतंत्र सेनानी नहीं होते तो आज देश में लोकतंत्र नहीं होता : लोकतंत्र सेनानी विक्रम वर्मा

धार। 25 जून भारत के राजनीतिक इतिहास का काला अध्याय है,जिसमें तत्कालीन कांग्रेस की सरकार ने सत्ता के मोह,राजनीतिक अहंकार और विपक्ष मुक्त देश की लालसा में आपातकाल जैसा काला निर्णय देश पर थोपा। यह निर्णय लोकतंत्र की हत्या के समान था। यह भारतीय लोकतंत्र पर गहरा आघात था।उस स्मृति को पुनः जीवित करने एवं देश के सच्चे लोकतंत्र रक्षकों को सम्मानित करने के लिए भाजपा जिला कार्यालय में भाजपा ने आपातकाल के काला अध्याय का 50 वर्ष होने पर सेमिनार आयोजित कर लोकतंत्र सेनानी सम्मान किया। जिसमें मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं लोकतंत्र सेनानी विक्रम वर्मा कार्यक्रम के मुख्य वक्ता पूर्व विधायक इंदौर गोपीकृष्ण नेमा भाजपा जिला अध्यक्ष महंत निलेश भारती ने सेमिनार को संबोधित किया। सर्व प्रथम अतिथियों ने भारत माता व पितृ पुरुष डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्रों पर माल्यार्पण दीप प्रज्वालित कर आरंभ किया।

इस दौरान विधायक नीना वर्मा पूर्व मंत्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष प्रभु राठौर दिलीप पटोदिया मनोज सोमानी कार्यक्रम जिला संयोजक महेंद्र सिंह चाचू बना सह संयोजक अनिल जैन बाबा पूर्व विधायक वेलसिंह भूरिया मंचासीन रहे।

भाजपा जिला अध्यक्ष महंत निलेश भारती ने लोकतंत्र सेनानी विक्रम वर्मा श्रीवल्लभ विजयवर्गीय , ओम प्रकाश सोनी का शाल श्रीफल से सम्मानित किया गया। साथ ही मीसाबंदी परिवारजन का कार्यक्रम में सम्मान किया गया। कार्यक्रम के दौरान आपातकाल पर बनी टेली फिल्म दिखाई गई तथा आपातकाल पर लगाई प्रदर्शनी का अवलोकन अतिथियों द्वारा किया गया।

लोकतंत्र सेनानी विक्रम वर्मा ने सेमिनार को संबोधित करते हुए कहा कि आज आपातकाल के 50 वर्ष पूरे हो रहे है। इन 50 वर्षों में देश ने कई बदलाव देखे है। आज आपातकाल के बाद तीसरी पीढ़ी है और इस पीढ़ी को भी आपातकाल के काले अध्याय के बारे में जानने की आवश्यकता है। किस प्रकार से आंतरिक अशांति के नाम पर कांग्रेस ने देश पर आपातकाल थोप दिया । इंदिरा गांधी की सत्ता को सबसे बड़ा झटका तब लगा जब इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 12 जून 1975 को उनके निर्वाचन को अवैध घोषित कर दिया और उन्हें 6 वर्षों के लिए चुनाव लड़ने से अयोग्य ठहराया। इंदिरा गांधी ने सत्ता की लोलुपता के कारण लोकतंत्र का गला घोंटने का कार्य किया और आज कांग्रेस कहती हैं संविधान खतरे में हैं ।लोकतंत्र सेनानी नहीं होते तो आज देश में लोकतंत्र नहीं होता। अगर कांग्रेस को 1977 में जीत मिल जाती तो आज देश में लोकतंत्र का नहीं गांधी परिवार का राज होता ।

कांग्रेस ने विपक्ष के साथ ही देश की जनता पर अत्याचार किए : गोपीकृष्ण नेमा

वक्ता पूर्व विधायक इंदौर गोपीकृष्ण नेमा कहा कि आज से 50 साल पहले कांग्रेस ने इंदिरा गांधी के नेतृत्व में देश में आपातकाल लगाकर लोकतंत्र की हत्या करने का प्रयास किया गया जो आज लोकतंत्र की दुहाई दे रहे हे वे अपना इतिहास भी देखे कि देश में लोकतंत्र की हत्या करने का काम किसने किया है। मीडिया पर भी प्रतिबंध लगा दिया । पूरे देश को जेल के रूप में परिवर्तित कर दिया गया। विपक्ष के साथ ही देश की जनता पर अत्याचार किए गए और तो और अत्याचार की पराकाष्ठा की गई ।

निलेश भारती ने कहा कि कांग्रेस द्वारा लगाए गए आपातकाल के 50 वर्ष पूरे होने पर आयोजित इस सेमिनार में लोकतंत्र सेनानी के रूप में हमारे बीच लोकतंत्र सेनानी भी उपस्थित हैं। आज आपातकाल के काले अध्याय को 50 वर्ष पूरे हो गए है। हमारे लोकतंत्र सेनानियों ने कष्ट ओर यातनाएं झेल कर लोकतंत्र को बचाने का काम किया। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने बताया कि संचालन टोली सदस्य रवि पाठक व आभार अनिल जैन बाबा ने माना ।

प्रोबेशनर डिप्टी कलेक्टर को सीनियर सिटीजन एक्ट की समझाई बारीकियां

भोपाल। नरोह्ना प्रशासन अकादमी भोपाल में नवान्तुक डिप्टी कलेक्टर प्रोबेशनर बैच वर्ष 2025 को मध्य प्रदेश वृद्ध माता पिता एवं सीनियर सिटीजन के भरण पोषण व कल्याण अधिनियम 2007 का प्रशिक्षण दिया गया। राज्य निर्वाचन आयोग के उप सचिव मुकूल कुमार गुप्ता ने प्रोबेशनर डिप्टी कलेक्टर को उक्त अधिनियम की बारीकी एवं संवेदनशीलता से वैधानिक कार्रवाई कैसे की जाए का विस्तृत जानकारी दी। जिसमें

वैधानिक कार्रवाई के साथ-साथ वृद्ध माता पिता एवं वरिष्ठ नागरिकों को न्याय भी मिलने के साथ ही सम्मानजनक जीवन जीने का अधिकार भी मिले ,वहीं परिवार का भी विघटन ना हो, इसके सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक पक्ष को विस्तृत रूप से बताया गया। उल्लेखनीय है कि प्रशासन अकादमी भोपाल में प्रोबेशनर डिप्टी कलेक्टर 2025 का बैच आया हुआ है जिनको प्रशासन के विभिन्न अधिनियम नियम का व्यावहारिक एवं सैद्धांतिक ज्ञान दिया जा रहा है।

आपातकाल लोकतंत्र के इतिहास का काला पन्ना : राजेश तिवारी

पत्रकारवार्ता में बोले भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य

बैतूल। कांग्रेस का लोकतंत्र में विश्वास तब तक है जब तक वह सत्ता में है। जब वह सत्ता से बाहर होती दिखाई देती है, वह संविधान और लोकतंत्र की धज्जियाँ उड़ाने से नहीं चूकती। आज से 50 वर्ष पहले, 25 जून 1975 को देश पर आपातकाल थोप दिया। यह घटना भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का काला पन्ना है। उक्त उदगार भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राजेश तिवारी ने जिला भाजपा कार्यालय विजय भवन में आयोजित पत्रकारवार्ता में व्यक्त करते हुए कहा कि यह वह समय था जब संविधान को ताक पर रखकर व्यक्तिगत सत्ता की रक्षा के लिए पूरे देश को एक तानाशाही शासन के अधीन कर दिया गया था। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 12 जून 1975 को इंदिरा गांधी के निर्वाचन को अवैध घोषित कर दिया और उन्हें छह वर्षों के लिए चुनाव लडऩे से अयोग्य ठहराया। इन सबके बीच 25 जून 1975 की रात को राष्ट्पति फखरुद्दीन अली अहमद ने प्रधानमंत्री की सिफारिश पर देश में आपातकाल लागू कर दिया। श्री तिवारी ने पत्रकारो के सवालो के जवाब देते हुए कहा कि आपातकाल के दौर में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, व्यक्तिगत स्वतंत्रता, और न्यायिक संरक्षण जैसे मौलिक अधिकार स्थगित कर दिए गए। मीडिया पर कठोर सेंसरशिप लागू कर दी गई। कांग्रेस संविधान बचाने की बात करती है, लेकिन इतिहास गवाह है कि वही कांग्रेस बार-बार संविधान को बेरहमी से कुचलती रही है। कांग्रेस के लिए लोकतंत्र सिर्फ एक दिखावा है 2014 में भाजपा के श्री नरेंद्र मोदी जैसे व्यक्तित्व के रूप में भारत को महान नायक मिला जिनके नेतृत्व में लोकतंत्र की जडें बहुत मजबूत व गहरी हुई है आज भाजपा के नेतृत्व में लोकतंत्र मजबूत हो रहा है संविधान की रक्षा की जा रही है।

आपातकाल की 50वीं बरसी, सरकार जन-जन को बताएगी कैसे हुई संविधान की हत्या

आमला। अब से 50 बरस पहले 25 जून 1975 को देश में आपातकाल लगाया गया था, और उस समय देश में इंदिरा गांधी की सरकार थी, अब भले ही इस बात को 50 बरस गुजर गए हैं, किंतु देश में इस काले अध्याय की 50वीं बरसी पर भाजपा काफी हमलावर दिखाई पड़ रही है, और इस पूरे काले अध्याय के 50 बरस के मौके पर सरकार द्वारा इस दिन को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाया जा रहा है।

इसके लिए बुधवार को स्थानीय जनपद सभा कक्ष में एक कार्यक्रम आयोजित कर संविधान हत्या दिवस मनाया गया इस मौके पर मीसाबंदियों के परिवारों को भी सम्मानित किया गया है। इस दौरान इलाके के एसडीम शैलेंद्र बडोनिया तहसीलदारश्री समेले जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी संजीव श्रीवास्तव जनपद अध्यक्ष गणेश यादव सहित भाजपा के प्रदीप ठाकुर, नरेंद्र गडेकर, अशोक नागले, पार्षद राकेश शर्मा,शोभा देशमुख, नीलम साहू, रोहित ह़ारोडे,संजय राठौर के अलावा बड़ी संख्या में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और शिक्षक भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में अधिकारियों और प्रतिनिधियों ने देश में 1975 के आपातकाल को काला दिवस बताते हुए संविधान की हत्या और आम जनों की स्वतंत्रता पर हमला मानते हुए इस दिन और तत्कालीन सरकार की निंदा की है।

सतत चलते रहेंगे कार्यक्रम- देश में आपातकाल की 50वीं बरसी पर सरकार जहां इसे संविधान की हत्या बात कर कार्यक्रम आयोजित कर रही है, तो वही इस काले और निंदनीय निर्णय को जन-जन तक पहुंचाने का बीड़ा भी उठ चुकी है। खासकर युवाओं को संविधान की हत्या के बारे में विभिन्न माध्यमों से जानकारी दी जाती रहेगी, जैसा कि अधिकारियों द्वारा हमें बताया गया है कि 25 जून 1975 को देश में कुछ निहित स्वार्थ के चलते देश को आपातकाल की भट्टी में झोंक दिया गया था, और उस समय देश की जनता को जो दंश झेलना पड़ा था, उस समय क्या हालत रहे होंगे और देश को किन-किन मुसीबत का सामना करना पड़ा होगा इस बारे में जानकारी दी जाती रहेगी।

भारत भवन के अंतरंग सभागार में अथः नदी कथा वैचारिक समागम सम्पन्न

नदी और जल संरचनाओं का संरक्षण लोक समाज ही कर सकता है

भोपाल। जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत सदानीरा समागम के पाँचवें दिन भारत भवन के अंतरंग सभागार में जलीय जीव एवं जल संरचनाओं पर एकाग्र वैचारिक समागम का आयोजन किया गया। इस मौके पर सभी विद्वानों ने एक स्वर में कहा कि नदी तालाबों और जल संरचनाओं को संबोधित संरक्षित करने के लिए सरकार के साथ-साथ लोक समाज को भी आगे आना होगा तभी हम अपना भविष्य सुरक्षित कर पाएंगे।

वरिष्ठ लेखक व पत्रकार अजय बोकिल ने कहा कि पानी को बचाने, साफ और उसके महत्व को कायम रखने के लिए भोपाल सबसे बड़ा उदाहरण है। एक समय ऐसा भी आया जब बड़े तालाब का पानी मूर्ति विसर्जन ताजिया विसर्जन के चलते दूषित होता चला गया था मतलब पीने योग्य नहीं था। तो भोपालवासियों ने यह तय किया की तालाब में मूर्ति विसर्जन नहीं किया जाएगा इसके लिए अलग से कुंड बनाए जाएंगे ऐसा करने पर पहले की तुलना में तालाब का पानी साफ भी हुआ और शुद्ध भी। यह एक ऐसा उदाहरण है जिसे अन्य स्थानों पर भी लागू किया जाना चाहिए। इसी के साथ मृत्यु उपरांत शमशान की राख और अन्य सामग्री नदियों में बहाई जाती है उस पर भी प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए और भोपाल मॉडल को इस्तेमाल करते हुए कुंडमें विसर्जन का व्यवस्था की जानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि जो लोग नदी को मन नहीं मानते वह भी नदी को साफ और संरक्षित करने का काम कर रहे हैं ऐसे में हम पीछे क्यों हैं।

वरिष्ठ साहित्यकार संतोष चौबे ने कहा कि जल संरचनाओं को नदियों को संरक्षित करने के लिए पानी के पक्ष में जन अभियन चलाया जाना चाहिए। आज इस विषय पर गंभीरता से सोचने की जरूरत है और जल संरचनाओं को बचाने के लिए प्रदेश के, देश के, दुनिया के मॉडलों को अपनाना चाहिये।

इस मौके पर वरिष्ठ पुरातत्व विविध शिवाकांत वाजपेई ने भी नदियों को संबोधित करने के लिए पुरातत्व के नजर यह से अपनी बात रखी उन्होंने कहा कि जल जीवन और जन्म त्रिवेणी हैं इसे हमें समझना होगा।

विक्रमादित्य वैदिक घड़ी के अन्वेषणकर्ता आरोह श्रीवास्तव ने जल और समय की चर्चा की। उन्होंने फ्रेश वाटर को लेकर सुझाव दिया कि हमारे जीवन में फ्रेश वाटर का इस्तेमाल बहुत कम होता है, लेकिन दैनिक दिनचर्या में इस फ्रेशवाटर को हम वेस्टेज के रूप में इस्तेमाल कर देते हैं यह चिंता का विषय है।

मथुरा के युवा शोधकर्ता योगी अनुराग ने नदियों के महत्व को बताते हुए उन्हें संरक्षित करने की बात कही।

संजय सिंह ने जल संरचनाओं को संरक्षित करने के लिए कहा कि इसे विज्ञान का विषय ना मानते हुए हमें आस्था का विषय बनाना होगा तभी जल स्त्रोतों नदियों और पानी को बचाया जा सकता है।

वरिष्ठ चिकित्सक राजेश शर्मा ने नदियों को आरोग्य कैसे रखें इस पर बात करते हुए कहा कि सबसे पहले हमें नदियों के रोग को, उसमें पनप रहे कीटाणुओं को समझना होगा। यह कीटाणु, यह रोग, हम खुद हैं, उद्योग हैं, जो नदियों को पवित्र बनाने से रोक रहे हैं। हमें याद है कोविड का समय जब नदी की पवित्रता और उसमें जल जीव स्वतंत्र रूप से रह रहे थे। हम खुद ये कहने लगे थे कि प्रत्येक साल लॉकडाउन जैसी स्थिति बन जानी चाहिए ताकि हमारी नदी, जल संरचनाएं पवित्र हो सके।

युवा पत्रकार मीणा जांगिड़ ने कहा कि जल का विषय सरकार का नहीं समाज का विषय होना चाहिए। हमारी प्राचीन परंपराएं पानी के महत्व को बताती आई हैं इसे भविष्य में भी कायम रखने की जरूरत है।

डॉ. रमेश यादव ने भोपाल के बड़े तालाब का जिक्र करते हुए कहा कि राजा भोज ने जिस झील को बनाया आज उसे बचाने की बात आ रही है। प्राचीन काल में लोग नदियों की पवित्रता को ध्यान में रखते थे नदियों में कभी भी दूषित पानी नहीं जाने देते थे। आज जल स्त्रोतों को संरक्षित करने की जरूरत है तभी भविष्य सुरक्षित हो सकता है।

डॉ. इंदिरा खुराना ने बताया कि आज जलवायु परिवर्तन की बात आती है तो सबसे पहले कार्बन उत्सर्जन की बात की जाती है। लेकिन जलवायु परिवर्तन का सबसे बड़ा प्रभाव यदि किसी पर पड़ता है तो वह पानी पर पड़ता है। जैसे बाढ़ का आना, ग्लेशियर का पिघलना, समुद्र में तूफान, अकाल पड़ना आदि यह वैश्विक चुनौतियां भी बनाकर हमारे सामने हैं। पारंपरिक ज्ञान से ही है इन आपदाओं से बचा जा सकता है। आज विकेंद्रित जल प्रबंधन की दिशा में कार्य करने की जरूरत है। आईएसएस अधिकारी नागार्जुन गौड़ा ने कहा जल संचय-जल भागीदारी अभियान ने देश भर में एक नई पहचान बनाई है। जिसके चलते खंडवा देश का नंबर वन शहर बनकर सामने आया है। हमने 1 लाख 30 हजार से अधिक स्ट्रक्चर्स तैयार किये जिसमें वाटर रिचार्ज का काम हुआ। इस अभियान का मुख्य बिंदु रूफ़ वाटर हार्वेस्टिंग था जिसके चलते लाखों लीटर पानी को संचित किया गया।

निदेशक डा. अजय सिंह टूरिज्म सस्टेनेबिलिटी समिट में हुए शामिल

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के शैक्षणिक नेतृत्व में संस्थान स्वास्थ्य सेवाओं से आगे बढ़कर राष्ट्रीय और क्षेत्रीय विकास संवादों में भी सक्रिय भूमिका निभा रहा है। इसी क्रम में प्रो. (डॉ.) अजय सिंह को मध्यप्रदेश पर्यटन सस्टेनेबिलिटी समिट 2025 में एक प्रतिष्ठित पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित किया गया। इस समिट का विषय था मध्यप्रदेश में सतत एवं ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देना, जिसका उद्देश्य पर्यटन के क्षेत्र में नवाचार, तकनीकी समावेशन और सतत विकास पर आधारित निवेश को प्रोत्साहित करना था। प्रो. (डॉ.) अजय सिंह ने पैनल चर्चा-द्वितीय में भाग लिया, जिसका विषय था पर्यटन और स्थिरताः हरित यात्रा के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग; सतत निवेश, जिसमें ग्रीन फाइनेंस, ग्रीन नौकरियां, सरकारीप्रयास और नवाचार पर विशेष रूप से चर्चा हुई। इस अवसर पर प्रो. (डॉ.) अजय सिंह ने कहा,स्वास्थ्य, पर्यावरण और पर्यटन–ये किसी भी सतत समाज के तीन अभिन्न स्तंभ हैं।

ड्राइवर ही बना लुटेरों का मास्टरमाइंड

बैरसिया पुलिस ने हाईप्रोफाइल लूटकांड का किया खुलासा, पूरी रकम बरामद

भोपाल। बैरसिया थाना क्षेत्र में 3.20 लाख की बड़ी लूट की गुत्थी को पुलिस ने महज़ कुछ घंटों में सुलझाते हुए न केवल वारदात में शामिल 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया, बल्कि लूट की पूरी रकम भी बरामद कर ली है। शराब कंपनी में कलेक्शन मैनेजर के तौर पर काम करने वाले फरियादी ने 24 जून को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 23 जून की रात वह नजीराबाद, परसौरा और रूनाहा की दुकानों से कैश कलेक्शन कर बैरसिया स्थित ऑफिस जा रहा था। तभी भोजापुरा घाटी के पास सड़क पर जानबूझकर पत्थर रखकर गाड़ी रुकवाई गई, और चार-पांच युवकों ने लाल मिर्ची डालकर उससे बैग लूट लिया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक भोपाल (देहात) श्री प्रमोद कुमार सिन्हा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. नीरज चौरसिया और एसडीओपी श्री सर्वप्रिय सिन्हा (आईपीएस) के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक वीरेन्द्र सेन के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी जांच और मुखबिरों की मदद से जब तफ्तीश आगे बढ़ी तो शक की सुई खुद ड्राइवर मनोज पाल पर टिक गई। पुलिस द्वारा कड़ी पूछताछ में ड्राइवर ने जुर्म कबूलते हुए बताया कि उसने ही अपने साथियों के साथ मिलकर इस लूट को अंजाम दिया।

पुलिस ने इस वारदात में शामिल मनोज पाल, धनराज गुर्जर, माखन गुर्जर, सचिन गौर, अजय उर्फ लालू कुशवाह और कान्हा गुर्जर को गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से लूटा गया पूरा बैग, जिसमें 3.20 लाख नकद थे, और घटना में इस्तेमाल दो मोटरसाइकिलें जब्त की गईं। कुल जब्ती की कीमत रू. 5.20 लाख आंकी गई है।

टैगोर राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के वृन्दगान पर थिरक उठा बहिरंग

सदानीरा के पूर्वरंग में छलकी जल गीतों की गागर

भोपाल। जल और जीवन के सांस्कृतिक ताने-बाने में गुंथे तरानों का संगीत 'सदानीरा' के पूर्वरंग की सभाओं को अनूठी गमक से भरता रहा। टैगोर राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के कलाकारों ने भारत भवन के बहिरंग में जैसे ही लय-ताल पर लहराती अलमस्त आवाज़ों में पानी की कहानियों का सुरीला सिलसिला शुरू किया तो आसपास इकट्ठा हुआ जन समुदाय भी ढोलक से उठती थापों पर थिरक उठा। नदिया नीर से भरी... जल के भंडार भरों गांव में.... पानी धरती और हवा को बारंबार प्रणाम... पानी रोको भाई... नरबदा मैया हो... यमुना तट श्याम खेलत होरी... संग नवल राधिका गोरी... परंपरा के लोक रंगों में नदी, समंदर, झील, तालाब और झरनों से छलकता रहा जीवन का राग। गीतों की लड़ियाँ माहौल को महकाती रही। वृन्द गान का यह सिलसिला बुधवार शाम चरम पर पहुँचा। गीतों के सुर छिड़ते ही ताल पर ताल देता दर्शकों का हुजूम भी झूम उठा। उत्सव के आगोश में 'सदानीरा' की ये शाम एक सुरीली याद बन गयी। साहित्यकार-संस्कृतिकर्मी संतोष चौबे के मार्गदर्शन में जल गीतों के वृन्दगान का संगीत संयोजन संतोष कौशिक ने किया। प्रबंध-संचालन अविजीत सोलंकी, चैतन्य आठले, मॉरिस लाजरस, विक्रांत भट्ट और चैतन्य ने किया। समन्वयक-सहयोग कला समीक्षक विनय उपाध्याय का रहा।

ब्लड सेपरेशन यूनिट रीवा में स्वास्थ्य सेवाओं को करेगी सुदृढ़ : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

ब्लड बैंक एवं ब्लड सेपरेशन यूनिट का किया शुभारंभ,रक्तदान करने का किया आह्वान

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि रीवा मेडिकल हब बन रहा है ऐसे समय में ब्लड सेपरेशन यूनिट रीवा के लिये बड़ी सौगात है। यह सेवा स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करेगी। ब्लड सेपरेशन यूनिट में एक व्यक्ति द्वारा दिये गये रक्तदान से चार व्यक्तियों की रक्त की आवश्यकता की पूर्ति हो जाती है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने रेडक्रॉस भवन रीवा में भारतीय रेडक्रास सोसायटी द्वारा संचालित किये जाने वाले ब्लड बैंक एवं ब्लड सेपरेशन यूनिट का शुभारंभ किया।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि संजय गांधी अस्पताल के अतिरिक्त रेडक्रास सोसायटी का ब्लड बैंक व ब्लड सेपरेशन यूनिट मरीजों की रक्त उपलब्धता में सहायक होगा। उन्होंने लोगों से बढ़-चढ़ कर रक्तदान करने की अपील की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि मैंने भी लगभग 30 बार रक्तदान किया है। रक्तदान से किसी जरूरत मंद की मदद होती है। अतः आगे बढ़कर रक्तदान करें ताकि ब्लड बैंक में पर्याप्त रक्त की उपलब्धता रहे व जरूरतमंद को सुविधा से प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि रीवा में संजय गांधी अस्पताल के पुर्नरूद्वार एवं नवीनीकरण के लिये 325 करोड़ रूपये तथा नवीन मशीनों की स्थापना के लिये 100 करोड़ रूपये की राशि स्वीकृत किये गए हैं। रीवा में 200 विस्तर का कैंसर अस्पताल निर्माणाधीन है। इन सब उपलब्धियों के साथ ब्लड सेपरेशन यूनिट का अपना विशेष महत्व रहेगा। उन्होंने यूनिट की स्थापना के लिये रेडक्रास के चेयरमैन व पदाधिकारियों द्वारा किये गये प्रयासों के लिये साधुवाद दिया तथा इसके व्यवस्थित संचालन की अपेक्षा की। बताया गया कि ब्लड सेपरेशन यूनिट 24 घंटे कार्य करेगी। यहां रक्त को चार भागों में विभक्तीकरण कर मरीजों को उपलब्धता सुनिश्चित कराई जायेगी। अध्यक्ष नगर निगम व्यंकटेश पाण्डेय, भारतीय रेडक्रास सोसायटी रीवा के चेयरमैन डॉ. प्रभाकर चतुर्वेदी सहित रेडक्रास सोसायटी के पदाधिकारी, सदस्य, स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधि व गणमान्यजन एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आपातकाल के काले दिवस पर भाजपा का कार्यक्रम

भोपाल/बैरसिया। 25 जून को भाजपा ने आपातकाल के काले दिवस और संविधान की हत्या के 50 वर्ष पूर्ण होने पर बुधवार को महावीर पैलेस में कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान भाषण और प्रियदर्शिनी के माध्यम से बताया कि कैसे कांग्रेस ने अपने स्वार्थ के लिए 25 जून 1975 को संविधान की हत्या की थी।

कार्यक्रम में मौजूद विधायक विष्णु खत्री ने कहा कि आज देश इस तारीख को याद कर इसके सबक को आत्मसात कर रहा है। स्वतंत्र भारत के इतिहास का सबसे काला अध्याय 25 जून 1975 की मध्य रात्रि को कार्यवाही की गई। नेहरू, गांधी परिवार शुरू से तानाशाह रहा है। आज भी उनके स्वभाव में तानाशाही है।

कार्यक्रम में मुख्यवक्ता के रूप में मौजूद भाजपा के संभाग प्रभारी कांतदेव सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि 25 जून 1975, वो तारीख जब इंदिरा गांधी ने देश में आपातकाल की घोषणा की थी। देश के इतिहास को बदल देने वाली इस घटना के आज 50 साल पूरे हो गए।

इस दिन को याद करने की इसलिए आवश्यकता है, क्योंकि आज की पीढ़ी को पता तो चले कि उस समय क्या हुआ था। इंदिरा गांधी ने 25 जून 1975 को अपनी सत्ता बचाने के लिए आपातकाल लगा दिया, क्योंकि उनकी कुर्सी जाने का खतरा बढ़ गया। सत्ता बचाने के लिए आपातकाल लगाया और इसके बाद विपक्ष के नेता, पत्रकार और अन्य लोगों पर आपातकाल की घोषणा के साथ लिखा गया था, लेकिन ये इतना अचानक नहीं था। इसकी प्रस्तावना तो तब ही लिख दी गई थी। जब इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने उसी वर्ष 12 जून को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के रायबरेली से निर्वाचन को अमान्य घोषित कर दिया था। उन्हें लगा कि अब वह प्रधानमंत्री नहीं रहा सकती है, तो उन्होंने रेडियो के माध्यम से आपातकाल का काला दिवस बना दिया। कुल मिलाकर कांग्रेस का स्वभाव तानाशाही उस समय भी था, और आज भी कांग्रेस उसी तानाशाह पर चल रही है। कार्यक्रम भाजपा जिला अध्यक्ष तीरथ मीणा, जिला महामंत्री कुबेर सिंह गुर्जर सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

आज धर्मार्थ होम्यो क्लीनिक और सुमन मुस्कान फाऊंडेशन के द्वारा ग्राम चोपड़ा बिलखिरिया में हिंदी श्री मदन सिंह जी ठाकुर के ईट भट्टे पर ईद टमाटर मेडिकल कैंप का निःशुल्क आयोजन किया गया जिसमें होम्योपैथिक मेडिसिन एवं इलाज मुफ्त में प्रदान किया गया साथ ही सुमन मुस्कान फाऊंडेशन की तरफ से बर्तन घरेलू सामान और कपड़ों का वितरण डॉ चंदेल और डॉ शशी जोशी की अध्यक्षता में कार्यक्रम में किया गया। डॉ. सुषमा, डॉ. शिवांगी, डॉ.रतना डॉ.कमलेंद्र , डॉ.सुदीप, डॉ.चंद्रलेखा ,अशोक चौरेऔर डॉ.अनिरुद्ध ,डॉ. निखिल श्री संजीव शांडिल्य विनीता शांडिल्य सुमन शर्मा पूनम शर्मा हिंदी संपूर्ण कार्यक्रम को संपन्न कराया अब श्री मदन सिंह ठाकुर गोलुआ द्वारा प्रदर्शित किया गया !

बैतूल में होगा जैन संत शीतल राज जी का चातुर्मास, देशभर से पहुंचेंगे श्रद्धालु

आड़ा आसन त्यागी तपस्वी गुरुदेव का 27 जून को बैतूल में होगा आगमन

बैतूल। जैन स्थानकवासी संघ बैतूल के तत्वावधान में 2025 का चातुर्मास इस बार एक विलक्षण तपस्वी संत के सान्निध्य में होने जा रहा है। आचार्य पूज्य 1008 हस्तीमल जी के सुशिष्य आड़ा आसन त्यागी, सेवा पूर्ति में रत, सूर्य की तापना को साधना मानने वाले, सामाजिक प्रेरणा के केंद्र और जोधपुर के नंदन, परम पूज्य गुरुदेव शीतल राज जी म.सा. का चातुर्मास बैतूल में आयोजित होगा। गुरुदेव के पिछले चातुर्मास का आयोजन रायपुर में हुआ था, जो ऐतिहासिक रूप से यादगार रहा। उनका तप और साधना साक्षात ईश्वरीय है। वे पिछले 53 वर्षों से कभी लेटे नहीं हैं और तेज धूप में अपने शरीर को झुलसाकर तपस्या करते हैं। इन्हीं की प्रेरणा से बैतूल में जैन स्थानक भवन में विगत पांच वर्षों से प्रत्येक शनिवार को शीतल पाठशाला चलाई जा रही है, जहां बच्चों को धार्मिक ज्ञान की शिक्षा दी जाती है।

स्वास्थ्य प्रबंधन में उत्कृष्टता का राष्ट्रीय केंद्र बनता एम्स भोपाल, प्रमुख संस्थानों के छात्र ले रहे प्रशिक्षण

भोपाल। प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के दूरदर्शी नेतृत्व में एम्स भोपाल चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान एवं अस्पताल प्रशासन के क्षेत्र में निरंतर एक राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र के रूप में उभर रहा है। इसकी बढ़ती प्रतिष्ठा को देखते हुए देश के प्रमुख संस्थानों के छात्र व्यावहारिक प्रशिक्षण हेतु एम्स भोपाल का चयन कर रहे हैं। यह इस बात का संकेत है कि एम्स भोपाल अब चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा प्रदायगी के क्षेत्र में एक उभरता हुआ अग्रणी राष्ट्रीय संस्थान बन चुका है। एम्स भोपाल इस उपलब्धि पर अत्यंत गौरव महसूस करता है और देश के लिए स्वास्थ्य पेशेवरों एवं शोधकर्ताओं को तैयार करने हेतु अपने शैक्षणिक ढांचे को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए सतत प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में, आईआईएचएमआर विश्वविद्यालय, जयपुर के 2024 बैच के एमबीए इन हॉस्पिटल एंड हेल्थ मैनेजमेंट पाठ्यक्रम से जुड़े डॉ. निक्की पदम, डॉ. श्रेयश प्रजापति और श्री प्रीयेश चौहान ने हाल ही में एम्स भोपाल के अस्पताल प्रशासन विभाग में

75 दिवसीय इंटर्नशिप कार्यक्रम के लिए रिपोर्ट किया। इस इंटर्नशिप के दौरान छात्र अस्पताल प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं – जैसे संगठनात्मक योजना, संचालन प्रणाली, रोगी देखभाल प्रबंधन, विभागीय समन्वय, और स्वास्थ्य सेवा संचालन की बारीकियों – को व्यावहारिक रूप से सीख रहे हैं। यह प्रशिक्षण उन्हें एक तृतीयक स्वास्थ्य संस्थान की कार्यप्रणाली, प्रशासनिक संरचना और दैनिक प्रबंधन की चुनौतियों को समझने में सक्षम बना रहा है।

इस अवसर पर प्रो. (डॉ.) अजय सिंह ने कहा, इस तरह के इंटर्नशिप कार्यक्रम भविष्य के स्वास्थ्य सेवा प्रबंधकों को तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जहां उन्हें अस्पताल संचालन की वास्तविक व्यावहारिक जानकारी प्रदान की जा रही है। " आईआईएचएमआर विश्वविद्यालय, जयपुर जैसे प्रतिष्ठित संस्थान के मेधावी छात्रों की उपस्थिति इस बात की पुष्टि करती है कि एम्स भोपाल एक अग्रणी स्वास्थ्य संस्थान के रूप में राष्ट्रीय पहचान स्थापित कर चुका है। इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम एम्स भोपाल की एक उत्कृष्ट प्रशासनिक शिक्षण केंद्र के रूप में भूमिका को और भी सशक्त करते हैं।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज ने 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' के कामकाज की बृहद समीक्षा की

'विकसित कृषि संकल्प अभियान' स्वतंत्र भारत की अद्भुत घटना

नईदिल्ली । केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज नई दिल्ली स्थित पूसा कैंपस में आयोजित 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' अनुभव एवं भविष्य की कार्य योजना पर चर्चा की और नोडल अधिकारियों के प्रस्तुतीकरण को देखा। 29 मई से 12 जून तक अभियान के सफल आयोजन के बाद आगे की रणनीतियों पर लगातार गंभीरतापूर्वक विचार-विमर्श और मंथन चल रहा है। आज इसी क्रम में अभियान के दौरान गठित 2,170 टीमों के नोडल अधिकारियों ने पूसा कैंपस में उपस्थित रहकर एवं वर्चुअल माध्यम से जुड़कर केंद्रीय कृषि मंत्री के समक्ष प्रस्तुतीकरण दिया एवं अभियान के परिणामों, सुझावों, अनुभवों और भविष्य की अनुसंधान दिशा पर विस्तृत जानकारी दी।

अपने उद्घाटन भाषण में श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि अभियान ने एक नया इतिहास रचा है। यह अभियान स्वतंत्र भारत की अद्भुत घटना रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'लैब टू लैंड' से प्रेरणा लेकर साठ हजार से ज्यादा गांवों तक वैज्ञानिकों की टीम ने पहुंच सुनिश्चित की। उन्होंने कहा कि यह अभियान रुकेगा नहीं, लगातार कोशिश करेंगे कि वैज्ञानिक, विभाग के अधिकारी, किसान एक टीम के रूप में कार्य करें और लगातार खेतों में जाकर किसानों से संपर्क करें। इस अभियान का लक्ष्य, किसानों की आय बढ़ाना, देश की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना, हिंदुस्तान को विश्व का फूड बास्केट बनाना है। उन्होंने कहा कि पोषक आहार के लिए बायो फोर्टिफाइड किस्मों का विकास तथा इसे उत्पादन प्रणाली में शामिल करना, आने वाली पीढ़ी के लिए धरती को सुरक्षित करने के लक्ष्य को इस अभियान में शामिल किया गया है।

श्री शिवराज सिंह ने कहा कि किसानों का लाभ बढ़ाने के लिए उत्पादन बढ़ाना तथा कृषि की लागत घटाने हेतु यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। इस अभियान का उद्देश्य बहुत उपयोगी और व्यापक है। अभियान के जरिए प्राप्त जानकारी से किसानों की जिंदगी बदलेगी साथ ही देश में अन्न, फल और सब्जियों का भंडार भी भरेंगे। अंत में समीक्षा कार्यक्रम के बाद श्री शिवराज सिंह चौहान ने समापन संबोधन में कहा कि समीक्षा सुनना भी साधना है। राष्ट्रीय संकल्प का स्मरण है। जो देखा, जो सुना, जो अनुभव किया, वो आंकड़े नहीं, देशवासियों की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब हैं। छोटी जोत के बावजूद देश में अन्न के भंडार भर रहे हैं। 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' ने यह भी सिखाया कि समाधान ऊपर से नीचे नहीं बल्कि नीचे से ऊपर की तरफ होते हैं। सरकारी दफ्तरों में बैठकर योजनाएं नहीं बनाई जा सकती। असली प्रयोगशालाएं हैं खेत। जिसके पास अनुभव है वो हैं किसान। इसी को जोड़ने और खेती में चमत्कारी परिणाम अर्जित करने के लिए ही अभियान की परिकल्पना की गई। इस अभियान के जरिए वैज्ञानिकों ने जो परिश्रम किया, उसी आधार पर आगे का रोडमैप बनाया जाएगा। निष्कर्षों को प्रधानमंत्री के समक्ष भी रखा जाएगा। योजनाओं का बृहद मूल्यांकन होगा। अप्रासंगिक योजनाओं को समाप्त कर नई योजनाओं को लाने की कोशिश करेंगे। जरूरत के हिसाब से अनुसंधान होगा, इसके लिए प्राथमिकता के आधार पर सूची भी तैयार की जा रही है। अमानक खाद और कीटनाशक बनाने वालों को बिल्कुल बख्शा नहीं जाएगा। इससे संबंधित कार्रवाई के लिए कड़ा कानून भी लाएंगे और विशेष टीमों का भी गठन किया जाएगा। एक दलहन, तिलहन, सोयाबीन, कपास, गन्ना इत्यादि के लिए 'क्रॉप वॉर' की शुरुआत पर भी विचार किया जा रहा है। यंत्रीकरण, मृदा स्वास्थ्य, क्लीन प्लांट, कीटनाशक, वॉटर शेड क्षेत्र, हेल्थ एग्रीकल्चर, कोस्टल एग्रीकल्चर, पशुपालन पर भी कार्य होगा। फसलवार और राज्यवार योजना के अनुसार कार्य किया जाएगा। कृषि मंत्रियों की भागीदारी के साथ ही योजनाओं पर कार्य योजना बनेगी।

नर्मदा घाटी परियोजनाओं के संचालन में सौर ऊर्जा को प्रोत्साहित किया जाए : मुख्यमंत्री

नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण की 267वीं बैठक

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि नर्मदा नदी राज्य की जीवनदायिनी है। नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण के अंतर्गत संचालित गतिविधियों से प्रदेश में सिंचाई के रकबे और ऊर्जा उत्पादन में बहुत वृद्धि हुई है जिसके चलते प्रदेशवासियों के जीवन स्तर में सुधार हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि परियोजना के अंतर्गत निर्मित सिंचाई व्यवस्था में सौर ऊर्जा के उपयोग को अधिक से अधिक प्रोत्साहित किया जाए। जल उद्वहन में सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ाने से बिजली पर होने वाले व्यय में कमी लाई जा सकेगी। किसानों को भी सिंचाई में सौर ऊर्जा के उपयोग के लिए प्रेरित किया जाए। मां नर्मदा के जल का प्रदेश हित में अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण की 267वीं बैठक बुधवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में संपन्न हुई। अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, श्री मनीष रस्तोगी सहित

प्राधिकरण के अन्य अधिकारी बैठक में उपस्थित थे।

बैठक में शहीद ईलाप सिंह माईक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना जिला हरदा, सेंधवा माईक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना जिला बड़वानी, निवाली उद्वहन सिंचाई परियोजना जिला बड़वानी, धार उद्वहन माईक्रो सिंचाई परियोजना, मॉ रेवा उद्वहन सिंचाई परियोजना जिला देवास की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति के संबंध में निर्णय लिए गए। बैठक में निर्माणाधीन स्लीमनाबाद टनल के तकनीकी पहलुओं पर चर्चा हुई। इसके साथ ही डोबी सिंचाई परियोजना, भीकनगांव बिंजलवाडा माईक्रो सिंचाई परियोजना, आई.एस.पी.-पार्वती लिंक परियोजना, खालवा उद्वहन माईक्रो सिंचाई परियोजना जिला खण्डवा की समयवृद्धि प्रस्ताव पर भी बैठक में विचार-विमर्श हुआ।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में हुई बैठक में मोरंड गंजाल बांध एवं दाबयुक्त सिंचाई परियोजना के निर्माण में आईएसपी जलाशय और अपर नर्मदा परियोजना के कमाण्ड में निर्माण कार्य आरंभ करने के संबंध में निर्णय लिया गया। बैठक में विजयराघवगढ़ उद्वहन माईक्रो सिंचाई परियोजना, गुनौर माईक्रो सिंचाई परियोजना, झिरन्या एक्सटेंशन (विस्तार) माईक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना, बड़ादेव चरगंवा सूक्ष्म उद्वहन सिंचाई परियोजना, खेड़ी बुजुर्ग उद्वहन माईक्रो सिंचाई परियोजना जिला धार की प्रशासकीय स्वीकृति के संबंध में विचार-विमर्श हुआ। बैठक में नर्मदा नदी के धार्मिक एवं सामाजिक और पर्यटन महत्व के स्थलों पर घाट निर्माण के संबंध में कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए गए।

राइस कॉन्क्लेव रतलाम में सीएम करेंगे शुभारंभ

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 27 जून को रतलाम में रीजनल इंडस्ट्री, स्किल एंड एम्प्लॉयमेंट (राइस-2025) कॉन्क्लेव का शुभारंभ करेंगे। कॉन्क्लेव प्रदेश के औद्योगिक, आर्थिक और सामाजिक विकास को नये आयाम देगा। यह आयोजन निवेश, रोजगार, कौशल विकास और हितग्राहीमूलक योजनाओं के समावेशी मॉडल को साकार करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव औद्योगिक परियोजनाओं का लोकार्पण-भूमिपूजन, ऋण वितरण, एमओयू हस्ताक्षर, रोजगार मेले का शुभारंभ और हितग्राहियों से संवाद करेंगे।

858.57 करोड़ रु. की 18 औद्योगिक इकाइयों का लोकार्पण-भूमि-पूजन- राइस-2025 कॉन्क्लेव में रतलाम एवं आसपास के क्षेत्रों में 858.57 करोड़ रु. लागत की 18 औद्योगिक इकाइयों का लोकार्पण और भूमि-पूजन होगा। इन इकाइयों से लगभग 3 हजार युवाओं को रोजगार मिलेगा।

27 इकाइयों को भूमि आवंटन और आशय पत्र वितरण- कॉन्क्लेव में 27 नई औद्योगिक इकाइयों को भूमि आवंटन और आशय पत्र प्रदान किए जाएंगे, जिससे रतलाम और मालवा अंचल में निवेश का मजबूत वातावरण तैयार होगा।

2,419 करोड़ रु. से अधिक राशि के ऋण वितरण की कार्यवाही- मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रधानमंत्री स्वनिधि, मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना, स्टेंडअप इंडिया और अन्य स्वरोजगार योजनाओं के अंतर्गत हितग्राहियों को 2 हजार 419 करोड़ रु. से अधिक राशि के ऋण वितरण करेंगे।

2 लाख से अधिक हितग्राही होंगे लाभांवित- राइस-2025 कॉन्क्लेव में 2 लाख से अधिक हितग्राहियों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ प्रदान किया जाएगा इसमें स्वरोजगार, सामाजिक सुरक्षा, महिला-बाल विकास, पेंशन, कृषक सहायता, कौशल प्रशिक्षण और अन्य लोकहित योजनाएं शामिल हैं।

राज्य क्लस्टर विकास योजना के तहत 5 ग्रामोद्योग इकाइयों का भूमि-पूजन- मुख्यमंत्री डॉ. यादव खादी तथा ग्रामोद्योग विभाग की राज्य क्लस्टर विकास योजना के अंतर्गत 5 इकाइयों का भूमि-पूजन करेंगे। यह इकाइयां स्थानीय संसाधनों और पारंपरिक हुनर को औद्योगिक संरचना से जोड़ने का कार्य करेंगी, इससे रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी।

2.96 करोड़ रु. की छक्क्ष राशि हितग्राहियों को ट्रांसफर होगी- कार्यक्रम में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से 2.96 करोड़ रु. की राशि सीधे हितग्राहियों के खातों में अंतरित की जाएगी, जिससे योजनाओं की पारदर्शिता और प्रभावशीलता का स्पष्ट संदेश जाएगा।

नशा मुक्त भारत अभियान समापन समारोह आज भोपाल में

भोपाल (नप्र)। नशा मुक्त भारत अभियान का राज्यस्तरीय समापन समारोह 26 जून को प्रातः 11 बजे से सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाहा के मुख्य अतिथ्य में आयोजित किया जाएगा। राज्यस्तरीय कार्यक्रम सामाजिक न्याय दिव्यांग जन सशक्तिकरण विभाग संचालनालय स्थित सभागार में सम्पन्न होगा। इसमें नशा मुक्त भारत अभियान से जुड़े स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधि वालेंटियर और जनप्रतिनिधि सम्मिलित होंगे।

मूंग-उड़द की खरीद को मंजूरी मिलने से सशक्त होगी ग्रामीण अर्थव्यवस्था

भोपाल (नप्र)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर प्रदेश के किसानों को बड़ी सौगात मिली है। किसान कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता में रखते हुए केंद्र सरकार ने मध्यप्रदेश में मूंग एवं उड़द को मूल्य समर्थन योजना (पीएसएस) के अंतर्गत खरीदी के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई है। अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री श्री नागर सिंह चौहान ने इस किसान हितैषी निर्णय का स्वागत किया है। उन्होंने केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान का आभार भी व्यक्त किया।

मंत्री श्री चौहान ने कहा कि यह निर्णय किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। इस फैसले से ग्रामीण अंचल की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और अन्नदाता के परिश्रम को सम्मान भी प्राप्त होगा।

भोपाल से दिल्ली जा रही शताब्दी एक्सप्रेस पर पथराव

विदिशा में बदमाशों ने पत्थर फेंके, सी-4 कोच का कांच टूटा, एक हफ्ते में यह चौथी घटना

भोपाल (नप्र)। भोपाल से दिल्ली जा रही शताब्दी एक्सप्रेस पर फिर पथराव हुआ है। विदिशा जिले के मंडी बामौरा स्टेशन के पास बरेठ और कल्हार के बीच अज्ञात लोगों ने ट्रेन पर पत्थर फेंके। इससे सी-4 कोच की खिड़की का शीशा टूट गया।

विदिशा आरपीएफ ने पथराव का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पिछले एक सप्ताह में यह चौथी घटना है। इससे पहले

रविवार रात ग्वालियर के रायरू स्टेशन के पास शताब्दी एक्सप्रेस पर हमला हुआ था। दतिया के सोनागिरि और वंदे भारत ट्रेन पर भी इसी तरह की घटनाएं हुई हैं।

बीना स्टेशन पर शिकायत कराई दर्ज

मीडिया से बात करते हुए यात्री आशुतोष ने बताया, मैं विंडो सीट पर बैठा था। तेज आवाज के साथ खिड़की का कांच टूट गया। सौभाग्य से कोई यात्री घायल नहीं हुआ। यात्रियों ने तुरंत ट्रेन स्टाफ को सूचना दी। स्टाफ ने कंट्रोल रूम और आरपीएफ को जानकारी दी। बीना स्टेशन पर इस मामले की शिकायत दर्ज करवाई गई।

किसी यात्री को चोट नहीं पहुंची

बीना स्टेशन पर ट्रेन पहुंचने पर उप निरीक्षक धर्मेंद्र और सहायक उप निरीक्षक कंचन कुमार ने सी-4 कोच की जांच की। कोच में तैनात डिप्टी ट्रेन सुपरवाइजर मनीष कुमार दुबे ने बताया कि बर्थ नंबर 40, 41, 42, 50, 51, 52 के पास विंडो ग्लास टूटने की आवाज आई थी। यात्रियों ने इसकी सूचना दी। पूछताछ में किसी यात्री को चोट नहीं लगी। गाड़ी कल्हार स्टेशन से 16:57 बजे और मंडी बामोरा स्टेशन से 17:05 बजे होकर निकली थी।

महू के पास निर्माणाधीन सुरंग ढही, दो की मौत

इंदौर-इच्छापुर नेशनल हाईवे पर हादसा, देर रात से काम कर रहे थे मजदूर

महू (नप्र)। महू के पास इंदौर-इच्छापुर नेशनल हाईवे पर चोरल में निर्माणाधीन सुरंग का एक हिस्सा भरभराकर गिर गया। मलबे में दबकर दो मजदूरों की मौत हो गई।

हादसा बुधवार सुबह करीब 4 बजे हुआ। पुलिस और स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी मौके पर हैं। उन्होंने प्राथमिक तौर पर इसकी वजह बारिश को बताया गया है।झारखंड निवासी विकास राय (29) की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, सिंगरौली निवासी लालजी कौल (26) ने इंदौर के अस्पताल में दम तोड़ दिया।

हैदराबाद की कंपनी बना रही टनल- सिमरोल थाना प्रभारी अमित कुमार के मुताबिक, हादसा इंदौर से करीब 35 किलोमीटर दूर चोरल इलाके में टनल नंबर 3 में हुआ। इसका काम हैदराबाद की मेघा इंजीनियरिंग एंड कंस्ट्रक्शन कंपनी कर रही है। बुधवार तड़के टनल का करीब 18 मीटर ऊंचा और 16 मीटर चौड़ा हिस्सा नीचे गिर पड़ा।

सुरंग ढहने से जान गंवाने वाला विकास राय झारखंड में गिरिडीह जिले के झोंका वर्मासिया का रहने वाला था। शव पोस्टमॉर्टम के लिए इंदौर के जिला

अस्पताल भेजा गया है।

वहीं, लालजी कौल को गंभीर रूप से घायल होने के बाद इंदौर में तेजाजी नगर के जीवन ज्योति हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। यहां से एमवाय अस्पताल रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया।

पत्थर गिरने से युवक गाड़ी में चिपक गया- मृतक विकास के जीजा और प्रत्यक्षदर्शी सुदामा सिंह के मुताबिक, रात 3.30 से 4.00 बजे के बीच टनल के ऊपर से पत्थर और मिट्टी गिरने से घटना हुई। हादसे में दो लोगों की मौत हुई है। पत्थर गिरने से एक लड़का वहीं गाड़ी में चिपक गया था। वह गाड़ी में खड़ा होकर काम कर रहा था। हादसे में वह गाड़ी पर ही चिपका रह गया। हम लोग 8 दिन पहले ही यहां काम करने आए थे। मृतक विकास मेरा साला था।

एक छोर पर देर रात से काम कर रहे थे मजदूर- महू एसडीएम राकेश परमार समेत नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) के अधिकारी सुबह मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि टनल के एक छोर पर देर रात से मजदूर काम कर रहे थे।

घटना के बाद टनल का मलबा हटाने के लिए दो पोकलेन मशीन को काम पर लगाया गया है। मलबे को डंपर में भरकर ले जाया जा रहा है।

दो सुरंगें बन रही, मोड़ की संख्या घटेगी- इंदौर-इच्छापुर नेशनल हाईवे पर चोरल नदी के पास दो सुरंगें बनाई जा रही हैं। सुरंगें बनने और हाईवे के निर्माण पूरा होने के बाद खंडवा से इंदौर जाने में लगभग ढाई घंटे समय की बचत होगी। अभी इंदौर से खंडवा जाने में साढ़े चार से पांच घंटे तक लग जाते हैं।पहली सुरंग 500 और दूसरी 300 मीटर लंबी होगी। इनसे हाईवे पर मोड़ की संख्या घटेगी, जिससे हादसों पर लगाम लगाई जा सकेगी।

ऑपरेशन में लापरवाही से महिला की मौत, डॉक्टर पर एफआईआर

खंडवा में बिना जांच कर दिया किडनी का ऑपरेशन; इंफेक्शन से पैर काटने पड़े थे

खंडवा (नप्र)। खंडवा पुलिस ने सेंट रिचर्ड पम्पुरी अस्पताल के डॉ. शेख वाजिद पर केस दर्ज किया है। डॉक्टर पर एक मरीज के किडनी ऑपरेशन में लापरवाही बरतने का आरोप है, जिससे उसकी मौत हो गई थी।

परिजनों ने मामले की शिकायत कलेक्टर ऋषव गुप्ता से की थी। इसके बाद सीएमएचओ ने जांच टीम बनाई थी, जिसकी रिपोर्ट में लापरवाही सामने आई।

क्रिमिनल लॉयर रोचक नागौरी ने बताया कि आरोपी पर धारा 106 (1) (लापरवाही से किसी की मौत हो जाना) के तहत केस दर्ज किया गया है। इसमें आरोपी को अधिकतम 5 साल की कैद और जुर्माने की सजा हो सकती है। सीएमएचओ डॉ. ओपी जुगतावत ने बताया, इस मामले में डॉक्टर के इलाज संबंधी जांच की गई थी। फिलहाल अस्पताल प्रबंधन पर किसी प्रकार से कोई कार्रवाई प्रस्तावित नहीं हैं।

ऑपरेशन से पहले जरूरी टेस्ट नहीं कराए

जांच टीम के मुताबिक, किडनी ऑपरेशन से पहले खून में कई चीजों की जांच जरूरी होती है। इससे मरीज की किडनी की स्थिति का पता चलता है। इससे ऑपरेशन के दौरान होने वाली जटिलताओं से बचा जा सकता है। डॉक्टरों के अनुसार, किडनी ऑपरेशन से पहले पेशाब में प्रोटीन और खून की मात्रा की जांच जरूरी होती है। साथ ही किडनी कितनी अच्छी तरह काम कर रही है, यह भी जांचा जाता है। इन जांचों में से कोई एक भी छूट जाए तो मरीज के शरीर में संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। चिनाई रोजड़ी की रहने वाली ज्योति ओसवाल के मामले में भी यही हुआ। जरूरी जांचें न होने के कारण ऑपरेशन के बाद ज्योति शरीर में संक्रमण फैल गया, जिससे उसकी मौत हो गई।

प्रदेश में तेज बारिश

भोपाल में मकान का हिस्सा ढहा, युवक की मौत

टीकमगढ़ में बिजली गिरने से 16 बकरियों की जान गई; सीहोर में गाड़ियां आधी डूबीं

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश के ज्यादातर जिलों में बुधवार को भी बारिश जारी है। भोपाल के टीटी नगर इलाके में पुराने एमएलए क्वार्टर्स में बने एक जर्जर मकान का हिस्सा अचानक गिर गया। मलबे में दबने से एक युवक की मौत हो गई। भोपाल में बुधवार को सुबह से ही रुक-रुककर बारिश हो रही है। भोपाल और इंदौर में आज दोपहर में तेज बारिश हुई। भोपाल में जर्जर मकान का एक हिस्सा गिरने से युवक की मौत हो गई। सीहोर के आष्टा में कई जगह जलभराव हो गया।

टीकमगढ़ जिले के पलेरा थाना क्षेत्र के लारौन गांव में बुधवार दोपहर खेत में बिजली गिरने से 16 बकरियों की मौत हो गई, जबकि चार झुलस गईं। बकरियां खेत के पास घास चरने गई थी।

इंदौर में भी कई इलाकों में तेज बारिश हुई। सीहोर के आष्टा के

बुधवारा में 1 फीट तक पानी भर गया। कटनी के पान उमरिया में लगातार बारिश से बेलकुंड नदी का पानी गर्राघाट पुल पर करीब 10 फीट ऊपर से बह रहा है। खरगोन में नर्मदा तटों पर पानी बढ़ रहा है।

मौसम विभाग के अनुसार, बुधवार के लिए 16 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट है। इनमें ग्वालियर, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, राजगढ़, विदिशा, शाजापुर, रायसेन, देवास, धार, नर्मदापुरम, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, मंडला और बालाघाट शामिल हैं। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर समेत पूरे प्रदेश में बारिश का यलो अलर्ट है।

आकाशीय बिजली गिरी, 16 बकरियों की मौत

टीकमगढ़ जिले के पलेरा थाना क्षेत्र के लारौन गांव में बुधवार दोपहर खेत में बिजली गिरने से चपेट में आई 16 बकरियों की मौत हो गई, जबकि चार झुलस गईं। पशुपालक प्रेमनारायण कुशवाहा ने बताया कि एक दर्जन से ज्यादा बकरियां खेत के पास चरने गईं थी। सूचना मिलते ही आसपास के लोग आ गए। ग्रामीणों ने पशु चिकित्सा अधिकारी को सूचना दी। पीड़ित पशुपालक को मुआवजा दिए जाने की मांग भी की है।

राज्यमंत्री कृष्णा गौर ने गोविंदपुरा क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यों का किया भूमि-पूजन

भोपाल (नप्र)। पिछड़ा वर्ग अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने बुधवार को गोविंदपुरा क्षेत्र की बस्तियों में 74 लाख रुपए लागत से नाली निर्माण का भूमि-पूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने नालियों की सफाई, ट्रंक लाइन डालने और कबाड़ हटाने के निर्देश भी दिए।

राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने वर्षा ऋतु की संभावित चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए गोविंदपुरा क्षेत्र के वार्ड 73 चांदवाड़ी में नाली सफाई कार्य का निरीक्षण कर अधिकारियों को समयबद्ध सफाई के निर्देश दिए। जनसंपर्क के दौरान रहवासियों की समस्याओं को जाना और समाधान सुनिश्चित करने का भरोसा दिलाया। चांदबाड़ी में 16 लाख की लागत से तैयार

हो रहे नवनिर्मित आंगनवाड़ी स्कूल का निरीक्षण किया और इसे जल्द पूरा करने के निर्देश दिए।

शिवनगर फेस-1 में 10 लाख रुपए की लागत से बनने वाली सड़क और नाली निर्माण कार्य का भूमि-पूजन किया। जोन-16 छोटे जिंद बाबा के पास शिवनगर में सीसी रोड एवं आरसीसी नाली निर्माण लागत 26 लाख कार्य का भूमि-पूजन किया। शिवनगर फेस 1, 2, 3 में आरसीसी नाली निर्माण लागत 19 लाख कार्य का भूमि-पूजन किया।

राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने वार्ड में स्ट्रीट लाइट, पेयजल से जुड़ी नागरिक सुविधाओं का निरीक्षण कर अधिकारियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।